Teachingninja.in

Latest Govt Job updates

Private Job updates

Free Mock tests available

Visit - teachingninja.in

JSSC
Lab Asst.

Previous Year Paper
04 Aug, 2023 Shift 1

Teachingninja.in

Roll No		Name	
Exam Code	: LH_PI_GEN_S15	Exam Date	: 04-08-2023
Version	: MASTER	Exam Time	: 09:30 - 12:30

Question No. 1

The Chipko Movement is associated with the-

A)Felling of trees
B)Building of dams
C)Fertilizers
D)Milk production

चिपको आंदोलन किससे संबंधित है?

A)वृक्षों की कटाई
B)बाँधों का निर्माण
C)उर्वरकों
D)दूध उत्पादन

Answer Key : A

Question No. 2

What is the full form of FERA?

A)Foreign Export Revaluation Act
B)Funds Exchange Resources Act
C)Finance and Export Regulation Association
D)Foreign Exchange Regulation Act

FERA का पूर्ण रूप क्या है?

A)फॉरेन एक्सपोर्ट रिवैल्यूएशन एक्ट
B)फंड्स एक्सचेंज रिसोर्सेज एक्ट
C)फाइनेंस एंड एक्सपोर्ट रेगुलेशन एसोसिएशन
D)फॉरेन एक्सचेंज रेगुलेशन एक्ट

Answer Key : D

Question No. 3

Which of the following diseases is caused due to shortage of red blood cells?

A)Meningitis
B)Leukaemia
C)Arthritis
D)Anaemia

निम्नलिखित में से कौन-सा रोग लाल रक्त कोशिकाओं की कमी के कारण होता है?

A)मेनिन्जाइटिस
B)ल्यूकेमिया
C)आर्थराइटिस
D)एनीमिया

Answer Key : D

Question No. 4

Water from soil enters into root hairs owing to-

A)Atmospheric pressure
B)Osmosis
C)Root pressure
D)Capillarity

मिट्टी से जड़ों के रेशों में पानी _____ की वजह से प्रवेश करता है।

A)वायुमण्डलीय दबाव
B)परासरण
C)जड़ का दबाव
D)केशिकत्व

Answer Key : B

Question No. 5

Which hormone is released during emergency situations?

A)Adrenaline
B)Norepinephrine

Teachingninja.in

C)Cortisol D)Corticotropin

आपातकालीन स्थितियों के दौरान कौन-सा हार्मोन निर्मुक्त होता है?

A)एड्रेनलाइन B)नॉरएपिनेफ्रीन

C)कॉर्टिसोल D)कॉर्टिकोट्रॉपिन

Answer Key : A

Question No. 6

Which of the following does NOT react with cold water?

A)Sodium B)Potassium

C)Magnesium D)Calcium

निम्नलिखित में से क्या शीतल जल के साथ अभिक्रिया नहीं करता है?

A)सोडियम B)पोटैशियम

C)मैग्नीशियम D)कैल्शियम

Answer Key : C

Question No. 7

Which of the following is the correct format of an email address?

A)Username@top level domain.mailserver B)mailserver@Username.top level domain

C)Username@mailserver.top level domain D)top level domain@mailserver.Username

निम्नलिखित में से कौन-सा ईमेल एड्रेस का सही प्रारूप है?

A)Username@top level domain.mailserver B)mailserver@Username.top level domain

C)Username@mailserver.top level domain D)top level domain@mailserver.Username

Answer Key : C

Question No. 8

What is the standard protocol of the internet?

A)TCP/IP B)DHCP

C)SMTP D)POP

इंटरनेट का मानक प्रोटोकॉल (standard protocol) कौन-सा है?

A)TCP/IP B)DHCP

C)SMTP D)POP

Answer Key : A

Question No. 9

The sum of the binary numbers 1100100 and 1101110 is-

A)11100110 B)11001000

C)11010010 D)11110010

बाइनरी संख्या 1100100 और 1101110 का योगफल ज्ञात करें।

A)11100110 B)11001000

C)11010010 D)11110010

Answer Key : C

Question No. 10

Teachingninja.in

In the given series, how many 4's are there that are NOT completely divisible by the number to its left but completely divisible by the number to its right?

5 4 4 8 6 7 3 1 3 4 4 7 4 3 5 1 4 5 8 4

A)One
B)Two
C)Three
D)Four

दी गई श्रृंखला में कितने 4 हैं, जो उसके बाईं ओर की संख्या से पूरी तरह से विभाज्य नहीं हैं लेकिन अपने दाईं ओर की संख्या से पूरी तरह से विभाज्य हैं?

5 4 4 8 6 7 3 1 3 4 4 7 4 3 5 1 4 5 8 4

A)एक
B)दो
C)तीन
D)चार

Answer Key : B

Question No. 11

In MS-Word, what does pressing Ctrl + Home display?

A)Takes the user to the beginning of the document
B)Takes the user to the end of the document
C)Highlights from the current place to the beginning of line
D)Highlights from the current place to the end of line

MS-वर्ड में, Ctrl + Home दबाने से क्या दिखेगा?

A)यूज़र को डॉक्युमेंट की शुरुआत में ले जाता है।
B)यूज़र को डॉक्युमेंट की अंत में ले जाता है।
C)वर्तमान स्थान से लाइन की शुरुआत तक हाईलाईट करता है।
D)वर्तमान स्थान से लाइन की अंत तक हाईलाईट करता है।

Answer Key : A

Question No. 12

Ajay walks 34 km towards east and turns right and walks 15 km. Then, he turns right and walks 20 km and turns left and walks 8 km. After that, he turns right and walks 14 km. How far and in which direction is he now from his starting point?

A)23 km, east
B)23 km, north
C)21 km, south
D)23 km, south

अजय पूर्व की ओर 34 किमी चलता है और दाएँ मुड़ता है और 15 किमी चलता है। फिर वह दाएँ मुड़ता है और 20 किमी चलता है और बाएँ मुड़ता है और 8 किमी चलता है। इसके बाद वह दाएँ मुड़ता है और 14 किमी चलता है। वह अपने शुरुआती बिंदु से अब कितनी दूर और किस दिशा में है?

A)23 किमी, पूर्व
B)23 किमी, उत्तर
C)21 किमी, दक्षिण
D)23 किमी, दक्षिण

Answer Key : D

Question No. 13

If '+' means '-', '-' means '+', 'x' means '÷' and '÷' means 'x', then which of the given equations is correct?

A)7 ÷ 9 + 64 x 4 - 8 = 55
B)7 + 9 ÷ 64 - 4 x 8 = 79
C)7 - 9 ÷ 64 + 4 × 8 = 25
D)7 - 9 + 64 ÷ 4 x 8 = 47

यदि '+' का मतलब '-' है, '-' का मतलब '+' है, 'x' का मतलब '÷' है और '÷' का मतलब 'x' है, तो दिए गए समीकरण में से कौन-सा सही है?

Teachingninja.in

A)7 ÷ 9 + 64 x 4 - 8 = 55
B)7 + 9 ÷ 64 - 4 x 8 = 79
C)7 - 9 ÷ 64 + 4 × 8 = 25
D)7 - 9 + 64 ÷ 4 x 8 = 47

Answer Key : A

Question No. 14

What is the average speed of an object in km/h which has travelled a distance of 270 m in 45 seconds?

A)21.6 km/h
B)43.8 km/h
C)39.6 km/h
D)62 km/h

किसी वस्तु की किमी/घंटा में औसत गति क्या है जिसने 45 सेकंड में 270 मीटर की दूरी तय की है?

A)21.6 किमी/घंटा
B)43.8 किमी/घंटा
C)39.6 किमी/घंटा
D)62 किमी/घंटा

Answer Key : A

Question No. 15

In a certain code language, 'CORNER' is written as 'GSVRIV'. How will 'CENTRAL' be written in that code language?

A)DFOUSBM
B)GIRXVEP
C)GJRYVEP
D)GNFJKER

किसी निश्चित कूट भाषा में, 'CORNER' को 'GSVRIV' करके लिखा जाता है। उसी कूट भाषा में 'CENTRAL' को किस प्रकार लिखा जाएगा?

A)DFOUSBM
B)GIRXVEP
C)GJRYVEP
D)GNFJKER

Answer Key : B

Question No. 16

In this question, three statements are given followed by three conclusions. Choose the conclusion(s) which best fit(s) logically.

Statements:
1) All tigers are jungles.
2) No jungle is a bird.
3) Some birds are rains.

Conclusions:
I. No rain is a jungle.
II. All birds are jungles.
III. No tiger is a bird.

A)Only conclusion I follows
B)Only conclusion II follows
C)Only conclusion III follows
D)None of the conclusions follow

Teachingninja.in

इस प्रश्न में, तीन कथनों के बाद तीन निष्कर्ष दिए गए हैं। उन निष्कर्ष (षों) को चुनें, जो तार्किक रूप से सर्वाधिक रूप से अनुसरण करते हों।

कथन:
1) सभी बाघ, जंगल है।
2) कोई भी जंगल, पक्षी नहीं है।
3) कुछ पक्षियाँ, बारिश हैं।

निष्कर्ष:
I. कोई भी बारिश, जंगल नहीं है।
II. सभी पक्षियाँ, जंगल हैं।
III. कोई बाघ, पक्षी नहीं है।

A)केवल निष्कर्ष I अनुसरण करता है।
B)केवल निष्कर्ष II अनुसरण करता है।
C)केवल निष्कर्ष III अनुसरण करता है।
D)कोई भी निष्कर्ष अनुसरण नहीं करता है।

Answer Key : C

Question No. 17

Complete the series.

W, T, P, M, I, (...)

A)B
B)F
C)D
D)E

श्रेणी को पूरा करें।

W, T, P, M, I, (...)

A)B
B)F
C)D
D)E

Answer Key : B

Question No. 18

The weight of an object on the moon is _____ times its weight on the earth.

A)0
B)1
C)1/3
D)1/6

चंद्रमा पर किसी वस्तु का भार पृथ्वी पर उसके भार का _____ गुना होता है।

A)0
B)1
C)1/3
D)1/6

Answer Key : D

Question No. 19

Divya said, "Manish's grandfather is the only son of my father." How is Divya related to Manish?

A)Grandmother
B)Sister
C)Niece
D)Daughter

दिव्या ने कहा, "मनीष के दादाजी मेरे पिता के इकलौते बेटे हैं।" दिव्या मनीष से कैसे संबंधित है?

A)दादी
B)बहन
C)भांजी
D)बेटी

Teachingninja.in

Answer Key : A

Question No. 20

Find the ODD one out from the given options.

A)BS B)EV

C)DX D)IZ

दिए गए विकल्पों में से असंगत को चुनें।

A)BS B)EV

C)DX D)IZ

Answer Key : C

Question No. 21

Which word will best complete the relationship given below?

Mycology : Fungi :: Phycology : ?

A)Fishes B)Diseases

C)Soils D)Algae

निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द दिए गए संबंध को सही ढंग से पूर्ण करेगा?

माइकोलॉजी : फंगी :: फाइकोलॉजी : ?

A)मछलियाँ B)बीमारियाँ

C)मिट्टी D)शैवाल

Answer Key : D

Question No. 22

In a class of 45 students, Kamali is placed seventh from the bottom, whereas Sujay is placed ninth from the top. Mahesh is placed exactly in between the two. What is Mahesh's position from the bottom?

A)18 B)21

C)22 D)25

---

45 छात्रों की एक कक्षा में, कमली नीचे से सातवें स्थान पर है जबकि सुजय ऊपर से नौवें स्थान पर है। दोनों के ठीक बीच में महेश है। नीचे से कौन-सा स्थान महेश का है?

A)18 B)21

C)22 D)25

Answer Key : C

Question No. 23

The outer electronic configuration of the transition element titanium in the ground state is-

A)$4s^2\ 3d^3$ B)$4s^2\ 3d^2$

C)$4s^1\ 3d^5$ D)$4s^2\ 3d^5$

मूल अवस्था में टाइटेनियम जैसे संक्रमण तत्व का बाहरी इलेक्ट्रॉनिक विन्यास क्या होता है?

A)$4s^2\ 3d^3$ B)$4s^2\ 3d^2$

C)$4s^1\ 3d^5$ D)$4s^2\ 3d^5$

Answer Key : B

Question No. 24

Teachingninja.in

Which of the following is the atomic number of the argon atom?

A)2 B)10

C)18 D)36

निम्नलिखित में से कौन-सा आर्गन परमाणु का परमाणु संख्या है?

A)2 B)10

C)18 D)36

Answer Key : C

Question No. 25

निम्न अशुद्ध वाक्य के लिए विकल्पों में से शुद्ध वाक्य को पहचानिए।

तेरे का घर मुझे मालूम है।

A)तुम्हारा घर मुझे मालूम है। B)तेरा घर मुझे मालूम है।

C)तेरे घर मुझे मालूम है। D)तेरे का घर मेरे को मालूम है।

निम्न अशुद्ध वाक्य के लिए विकल्पों में से शुद्ध वाक्य को पहचानिए।

तेरे का घर मुझे मालूम है।

A)तुम्हारा घर मुझे मालूम है। B)तेरा घर मुझे मालूम है।

C)तेरे घर मुझे मालूम है। D)तेरे का घर मेरे को मालूम है।

Answer Key : A

Question No. 26

Which of the following normal forms is also known as the Project-Join Normal Form (PJNF)?

A)First normal form B)Second normal form

C)Fifth normal form D)Fourth normal form

निम्नलिखित में से किस सामान्य फॉर्म को प्रोजेक्ट-ज्वाइन नॉर्मल फॉर्म (PJNF) के रूप में भी जाना जाता है?

A)फर्स्ट नार्मल फॉर्म B)सेकंड नार्मल फॉर्म

C)फिफ्थ नार्मल फॉर्म D)फोर्थ नार्मल फॉर्म

Answer Key : C

Question No. 27

दिए गए मुहावरे के लिए विकल्पों में से सही अर्थ चुनें।

नमक का हक अदा करना

A)कर्जदार होना B)ऋण चुकाना

C)कर्ज देना D)कर्ज न चुकाना

दिए गए मुहावरे के लिए विकल्पों में से सही अर्थ चुनें।

नमक का हक अदा करना

A)कर्जदार होना B)ऋण चुकाना

C)कर्ज देना D)कर्ज न चुकाना

Answer Key : B

Question No. 28

Dekhni is a semi-classical dance form of-

A)Puducherry B)Delhi

C)Goa D)Chandigarh

Teachingninja.in

'देखनी' किस राज्य की अर्ध-शास्त्रीय नृत्य शैली है?

A)पुदुचेरी
B)दिल्ली
C)गोवा
D)चंडीगढ़

Answer Key : C

Question No. 29

वचन बदलिए:-

धातु

A)धातुओं
B)धातुएँ
C)बहुधातु
D)धातुये

वचन बदलिए:-

धातु

A)धातुओं
B)धातुएँ
C)बहुधातु
D)धातुये

Answer Key : B

Question No. 30

लिंग बदलिए:-

शेर

A)शेरी
B)शेरनी
C)श्रेणी
D)शूरता

लिंग बदलिए:-

शेर

A)शेरी
B)शेरनी
C)श्रेणी
D)शूरता

Answer Key : B

Question No. 31

The property of metals by which they can be beaten into thin sheets is called-

A)Malleability
B)Ductility
C)Reliability
D)Permeability

धातुओं का वह गुण जिसके द्वारा उन्हें पीटकर पतली शीट बनाई जा सकती है, _____ कहलाती है।

A)आघातवर्धनीयता
B)तननशीलता
C)विश्वसनीयता
D)पारगम्यता

Answer Key : A

Question No. 32

If effort is _____ the load, then the mechanical advantage is more than one.

A)Less than
B)Greater than
C)Equal to
D)Not equal to

यदि एफर्ट, भार _____, तो यांत्रिक लाभ एक से अधिक होता है।

A)से कम है
B)से अधिक है
C)के बराबर है
D)के बराबर न हो

Answer Key : A

Teachingninja.in

Question No. 33

निम्न अशुद्ध वाक्य के लिए विकल्पों में से शुद्ध वाक्य को पहचानिए।

उसके सारे इरादों पर पानी बह गया।

A)उसके सारे इरादे पर पानी बह गया।
B)उसकी इरादों पर पानी बह गया।
C)उसके सारे इरादों पर पानी फ़िर गया।
D)उसके सभी इरादों पर पानी बह गया।

निम्न अशुद्ध वाक्य के लिए विकल्पों में से शुद्ध वाक्य को पहचानिए।

उसके सारे इरादों पर पानी बह गया।

A)उसके सारे इरादे पर पानी बह गया।
B)उसकी इरादों पर पानी बह गया।
C)उसके सारे इरादों पर पानी फ़िर गया।
D)उसके सभी इरादों पर पानी बह गया।

Answer Key : C

Question No. 34

निम्न शब्द के पर्याय के लिए दिए गए चार विकल्पों में से उचित विकल्प चुनिए।

आख्यान

A)अवर्णन
B)वृत्तांत
C)ख्यान
D)कुख्यान

निम्न शब्द के पर्याय के लिए दिए गए चार विकल्पों में से उचित विकल्प चुनिए।

आख्यान

A)अवर्णन
B)वृत्तांत
C)ख्यान
D)कुख्यान

Answer Key : B

Question No. 35

दिए गए वाक्यांश के लिए चार विकल्पों में से उचित एक शब्द को चुनिए।

तेज बुद्धि वाला

A)बौद्धिक
B)अल्पबुद्धि
C)कुशाग्रबुद्धि
D)मन्दबुद्धि

दिए गए वाक्यांश के लिए चार विकल्पों में से उचित एक शब्द को चुनिए।

तेज बुद्धि वाला

A)बौद्धिक
B)अल्पबुद्धि
C)कुशाग्रबुद्धि
D)मन्दबुद्धि

Answer Key : C

Question No. 36

निम्न में से तत्सम शब्द के उचित विकल्प का चयन करें।

अक्षि

A)नेत्रक
B)नायक
C)आँख
D)अक्ष्य

निम्न में से तत्सम शब्द के उचित विकल्प का चयन करें।

अक्षि

A)नेत्रक
B)नायक
C)आँख
D)अक्ष्य

Answer Key : C

Teachingninja.in

Question No. 37

निम्न में से तत्सम शब्द के उचित विकल्प का चयन करें।

ज्येष्ठ

A)जेठ
B)माझील
C)छोटा
D)लंबा

निम्न में से तत्सम शब्द के उचित विकल्प का चयन करें।

ज्येष्ठ

A)जेठ
B)माझील
C)छोटा
D)लंबा

Answer Key : A

Question No. 38

लिंग बदलिए:-

ठग

A)ठगी
B)ठगा
C)ठगिनी
D)ठेगी

लिंग बदलिए:-

ठग

A)ठगी
B)ठगा
C)ठगिनी
D)ठेगी

Answer Key : C

Question No. 39

निम्न शब्द के विलोम के लिए दिए गए चार विकल्पों में से उचित विकल्प चुनिए।

घात

A)अतिघात
B)प्रतिघात
C)घातक
D)सातक

निम्न शब्द के विलोम के लिए दिए गए चार विकल्पों में से उचित विकल्प चुनिए।

घात

A)अतिघात
B)प्रतिघात
C)घातक
D)सातक

Answer Key : B

Question No. 40

वाक्य का सही क्रम लिखिए।

1) प्रतीत होती है

2) प्रातःकाल पूर्वी क्षितिज पर

3) बहुत ही सुन्दर

4) सूर्य की लाली

A)2, 4, 3, 1
B)1, 2, 3, 4
C)2, 3, 1, 4
D)1, 3, 2, 4

Teachingninja.in

वाक्य का सही क्रम लिखिए।

1) प्रतीत होती है

2) प्रातःकाल पूर्वी क्षितिज पर

3) बहुत ही सुन्दर

4) सूर्य की लाली

A)2, 4, 3, 1 B)1, 2, 3, 4

C)2, 3, 1, 4 D)1, 3, 2, 4

Answer Key : A

Question No. 41

वाक्य का सही क्रम लिखिए।

1)और वह मानवी गरिमा से च्युत हो जाता है

2)निराश होकर बैठ जाता है

3)यदि व्यक्ति असफ़लताओं को देखकर

4)तो वह भीरु और कायर कहलाता है

A)2, 3, 1, 4 B)4, 1, 2, 3

C)3, 2, 4, 1 D)1, 2, 3, 4

वाक्य का सही क्रम लिखिए।

1)और वह मानवी गरिमा से च्युत हो जाता है

2)निराश होकर बैठ जाता है

3)यदि व्यक्ति असफ़लताओं को देखकर

4)तो वह भीरु और कायर कहलाता है

A)2, 3, 1, 4 B)4, 1, 2, 3

C)3, 2, 4, 1 D)1, 2, 3, 4

Answer Key : C

Question No. 42

प्रत्यक्ष वार्ता में लिखिए।

अध्यापक ने छात्र से पूछा कि वह बाहर क्यों खड़ा है?

A)बाहर क्यों खड़े हो? अध्यापक ने पूछा। B)क्यों बाहर खड़े हो? पूछा अध्यापक ने।

C)अध्यापक ने छात्र से कहा, "तुम बाहर क्यों खड़े हो?" D)क्या तुम बाहर खड़े हो? अध्यापक ने पूछा।

प्रत्यक्ष वार्ता में लिखिए।

अध्यापक ने छात्र से पूछा कि वह बाहर क्यों खड़ा है?

A)बाहर क्यों खड़े हो? अध्यापक ने पूछा। B)क्यों बाहर खड़े हो? पूछा अध्यापक ने।

C)अध्यापक ने छात्र से कहा, "तुम बाहर क्यों खड़े हो?" D)क्या तुम बाहर खड़े हो? अध्यापक ने पूछा।

Answer Key : C

Question No. 43

अप्रत्यक्ष वार्ता में लिखिए।

मोहन ने कुमार से उसका नाम पूछा।

A)मोहन ने कुमार से कहा, "तुम्हारा नाम क्या है?" B)मोहन ने कहा, "तुम्हारा नाम क्या है?"

C)मोहन ने कुमार से कहा, क्या नाम है? D)मोहन ने कुमार से कहा, "क्या नाम?"

अप्रत्यक्ष वार्ता में लिखिए।

मोहन ने कुमार से उसका नाम पूछा।

A)मोहन ने कुमार से कहा, "तुम्हारा नाम क्या है?" B)मोहन ने कहा, "तुम्हारा नाम क्या है?"

Teachingninja.in

C)मोहन ने कुमार से कहा, क्या नाम है?
D)मोहन ने कुमार से कहा, "क्या नाम?"

Answer Key : A

Question No. 44

निम्न शब्द के विलोम के लिए दिए गए चार विकल्पों में से उचित विकल्प चुनिए।

पूर्व

A)पश्चिम
B)उत्तर
C)दक्षिण
D)मध्य

निम्न शब्द के विलोम के लिए दिए गए चार विकल्पों में से उचित विकल्प चुनिए।

पूर्व

A)पश्चिम
B)उत्तर
C)दक्षिण
D)मध्य

Answer Key : A

Question No. 45

दिए गए मुहावरे के लिए विकल्पों में से सही अर्थ चुनें।

गजभर की छाती होना

A)मोटा होना
B)पतला होना
C)अत्यधिक गर्व महसूस करना
D)शर्मिन्दा होना

दिए गए मुहावरे के लिए विकल्पों में से सही अर्थ चुनें।

गजभर की छाती होना

A)मोटा होना
B)पतला होना
C)अत्यधिक गर्व महसूस करना
D)शर्मिन्दा होना

Answer Key : C

Question No. 46

निम्न शब्द के पर्याय के लिए दिए गए चार विकल्पों में से उचित विकल्प चुनिए।

कामदेव

A)सदन
B)मदन
C)मर्दन
D)नर्तन

निम्न शब्द के पर्याय के लिए दिए गए चार विकल्पों में से उचित विकल्प चुनिए।

कामदेव

A)सदन
B)मदन
C)मर्दन
D)नर्तन

Answer Key : B

Question No. 47

दिए गए मुहावरे के लिए विकल्पों में से सही अर्थ चुनें।

अंगूठा चूमना

A)प्यार करना
B)चापलूसी करना
C)उपदेश देना
D)बहुत शरमाना

दिए गए मुहावरे के लिए विकल्पों में से सही अर्थ चुनें।

अंगूठा चूमना

A)प्यार करना
B)चापलूसी करना

Teachingninja.in

C)उपदेश देना
D)बहुत शरमाना

Answer Key : B

Question No. 48

दिए गए वाक्यांश के लिए चार विकल्पों में से उचित एक शब्द को चुनिए।
जो सदैव रहे

A)शाश्वत
B)आश्वत
C)आसवन
D)सदाचित

दिए गए वाक्यांश के लिए चार विकल्पों में से उचित एक शब्द को चुनिए।
जो सदैव रहे

A)शाश्वत
B)आश्वत
C)आसवन
D)सदाचित

Answer Key : A

Question No. 49

Which of these is based on fifth-generation computing devices?

A)Artificial intelligence
B)Vacuum-tube
C)Transistor
D)Integrated Circuit

इनमें से कौन-सा, पाँचवीं पीढ़ी के कंप्यूटिंग उपकरणों पर आधारित है?

A)कृत्रिम बुद्धिमत्ता
B)वेक्यूम-ट्यूब
C)ट्रांजिस्टर
D)एकीकृत परिपथ

Answer Key : A

Question No. 50

Which of these is a pointing device?

A)Scanner
B)Mouse
C)Printer
D)None of the options

इनमें से कौन-सा एक पॉइंटिंग डिवाइस है?

A)स्कैनर
B)माउस
C)प्रिंटर
D)विकल्पों में से कोई नहीं

Answer Key : B

Question No. 51

Which acts as an intermediary between the user of a computer and the computer hardware?

A)Macros
B)Antivirus
C)MS-Office
D)Operating system

कंप्यूटर के उपयोगकर्ता और कंप्यूटर हार्डवेयर के बीच मध्यस्थ के रूप में कौन कार्य करता है?

A)मैक्रो
B)एंटीवायरस
C)MS-ऑफिस
D)ऑपरेटिंग सिस्टम

Answer Key : D

Question No. 52

Web crawler is also known as-

A)Link directory
B)Web spider
C)Search optimizer
D)Web manager

Teachingninja.in

वेब क्रॉलर को _____ के नाम से भी जाना जाता है।

A)लिंक डायरेक्टरी
B)वेब स्पाइडर
C)सर्च ऑप्टिमाइज़र
D)वेब मैनेजर

Answer Key : B

Question No. 53

Which former Indian Women's Hockey player from Jharkhand was conferred with the prestigious Dhyan Chand Lifetime Achievement Award in 2017?

A)Miniya Chatterji
B)Sumrai Tete
C)Aditi Gupta
D)Nikita Singh

झारखण्ड की किस पूर्व भारतीय महिला हॉकी खिलाड़ी को 2017 में प्रतिष्ठित ध्यानचंद लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया था?

A)मिनिया चटर्जी
B)सुमराय टेटे
C)अदिति गुप्ता
D)निकिता सिंह

Answer Key : B

Question No. 54

Palkot Fort in the Gumla district is a historic place of the _____ rulers.

A)Nagavanshi
B)Chola
C)Pallava
D)Vijayanagar

गुमला जिले में पालकोट का किला _____ शासकों का एक ऐतिहासिक स्थान है।

A)नागवंशी
B)चोल
C)पल्लव
D)विजयनगर

Answer Key : A

Question No. 55

The festival Jani-Shikaar is held-

A)Every year
B)Once in three years
C)Once in six years
D)Once in twelve years

जानी-शिकार उत्सव कब मनाया जाता है?

A)प्रति वर्ष
B)तीन वर्षों में एक बार
C)छह वर्षों में एक बार
D)बारह वर्षों में एक बार

Answer Key : D

Question No. 56

Open forest (typically with canopy density : 10 to 40%) spans approximately _____ thousand square kilometres in Jharkhand.

A)11.3
B)9.2
C)8.2
D)5.2

खुला जंगल (आमतौर पर कैनोपी घनत्व के साथ: 10 से 40%) झारखण्ड में लगभग _____ हजार वर्ग किलोमीटर तक फैला हुआ है।

A)11.3
B)9.2
C)8.2
D)5.2

Answer Key : A

Teachingninja.in

Question No. 57

Tilka Manjhi's rebellion took place between-

A)1655 and 1685
B)1690 and 1710
C)1726 and 1742
D)1771 and 1784

तिलका मांझी विद्रोह किस वर्ष के दौरान घटित हुआ था?

A)1655 और 1685
B)1690 और 1710
C)1726 और 1742
D)1771 और 1784

Answer Key : D

Question No. 58

संधि विच्छेद के सही शब्द पहचानिए।

राज + ईश्वर

A)कामेश्वर
B)महेश्वर
C)धनेश्वर
D)राजेश्वर

संधि विच्छेद के सही शब्द पहचानिए।

राज + ईश्वर

A)कामेश्वर
B)महेश्वर
C)धनेश्वर
D)राजेश्वर

Answer Key : D

Question No. 59

निम्नलिखित में से 'विवाहोत्सव' का सही संधि विच्छेद क्या है?

A)विवाहो + उत्सव
B)विवाह + उत्सव
C)ववहो + उत्सव
D)विवाह + उसव

निम्नलिखित में से 'विवाहोत्सव' का सही संधि विच्छेद क्या है?

A)विवाहो + उत्सव
B)विवाह + उत्सव
C)ववहो + उत्सव
D)विवाह + उसव

Answer Key : B

Question No. 60

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।

यद्यपि 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों का कारखानों में काम करना गैर-कानूनी है फिर भी श्रमिकों की समस्या अत्यंत विकराल है। कुछ समाजसेवी संस्थाओं, जैसे 'बचपन बचाओ' के द्वारा बाल श्रमिकों के उन्मूलन के प्रयास किए जा रहें हैं। समाचार पत्र, समाज सेवकों तथा दूरदर्शन के अनेक चैनल समय-समय पर बाल श्रमिकों का पता लगाकर उन्हें शोषणकर्ताओं के चंगुल से मुक्ति का अभियान चलाते हैं। परन्तु भारत जैसे देश में बाल श्रमिकों की समस्या को इतनी आसानी से सुलझाया नहीं जा सकता है। इस समस्या को सुलझाने के लिए सभी ओर से युद्ध स्तर पर प्रयास किया जाना चाहिए। इस दिशा में पहला कदम घरों से होनी चाहिए। अमीरों के घरों में, नौकरानी माँ के साथ-साथ उसके बच्चे भी काम करने आते हैं। हम महिलायें इसे रोक सकती हैं। हमें दृढ निश्चय कर लेना चाहिए कि हम बच्चों से कोई काम नहीं करवाएंगे। भारतीय नागरिक होने के नाते यह हमारा पहला कर्तव्य है कि हम सभी बच्चों को विद्यालय भेजने का प्रयास करें ताकि सभी बच्चों को बुनियादी शिक्षा प्राप्त हो सके। यह काम सरल नहीं है पर असंभव भी नहीं है, चेष्टा करने से जरूर सफलता मिल सकती है।

किस उम्र तक बच्चों से काम करवाना गैर-कानूनी है?

A)12 वर्ष
B)8 वर्ष
C)14 वर्ष
D)15 वर्ष

Teachingninja.in

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।

यद्यपि 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों का कारखानों में काम करना गैर-कानूनी है फिर भी श्रमिकों की समस्या अत्यंत विकराल है। कुछ समाजसेवी संस्थाओं, जैसे 'बचपन बचाओ' के द्वारा बाल श्रमिकों के उन्मूलन के प्रयास किए जा रहें हैं। समाचार पत्र, समाज सेवकों तथा दूरदर्शन के अनेक चैनल समय-समय पर बाल श्रमिकों का पता लगाकर उन्हें शोषणकर्ताओं के चंगुल से मुक्ति का अभियान चलाते हैं। परन्तु भारत जैसे देश में बाल श्रमिकों की समस्या को इतनी आसानी से सुलझाया नहीं जा सकता है। इस समस्या को सुलझाने के लिए सभी ओर से युद्ध स्तर पर प्रयास किया जाना चाहिए। इस दिशा में पहला कदम घरों से होनी चाहिए। अमीरों के घरों में, नौकरानी माँ के साथ-साथ उसके बच्चे भी काम करने आते हैं। हम महिलायें इसे रोक सकती हैं। हमें दृढ निश्चय कर लेना चाहिए कि हम बच्चों से कोई काम नहीं करवाएंगे। भारतीय नागरिक होने के नाते यह हमारा पहला कर्तव्य है कि हम सभी बच्चों को विद्यालय भेजने का प्रयास करें ताकि सभी बच्चों को बुनियादी शिक्षा प्राप्त हो सके। यह काम सरल नहीं है पर असंभव भी नहीं है, चेष्टा करने से जरूर सफलता मिल सकती है।

किस उम्र तक बच्चों से काम करवाना गैर-कानूनी है?

A)12 वर्ष
B)8 वर्ष
C)14 वर्ष
D)15 वर्ष

Answer Key : C

Question No. 61

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।

यद्यपि 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों का कारखानों में काम करना गैर-कानूनी है फिर भी श्रमिकों की समस्या अत्यंत विकराल है। कुछ समाजसेवी संस्थाओं, जैसे 'बचपन बचाओ' के द्वारा बाल श्रमिकों के उन्मूलन के प्रयास किए जा रहें हैं। समाचार पत्र, समाज सेवकों तथा दूरदर्शन के अनेक चैनल समय-समय पर बाल श्रमिकों का पता लगाकर उन्हें शोषणकर्ताओं के चंगुल से मुक्ति का अभियान चलाते हैं। परन्तु भारत जैसे देश में बाल श्रमिकों की समस्या को इतनी आसानी से सुलझाया नहीं जा सकता है। इस समस्या को सुलझाने के लिए सभी ओर से युद्ध स्तर पर प्रयास किया जाना चाहिए। इस दिशा में पहला कदम घरों से होनी चाहिए। अमीरों के घरों में, नौकरानी माँ के साथ-साथ उसके बच्चे भी काम करने आते हैं। हम महिलायें इसे रोक सकती हैं। हमें दृढ निश्चय कर लेना चाहिए कि हम बच्चों से कोई काम नहीं करवाएंगे। भारतीय नागरिक होने के नाते यह हमारा पहला कर्तव्य है कि हम सभी बच्चों को विद्यालय भेजने का प्रयास करें ताकि सभी बच्चों को बुनियादी शिक्षा प्राप्त हो सके। यह काम सरल नहीं है पर असंभव भी नहीं है, चेष्टा करने से जरूर सफलता मिल सकती है।

दूरदर्शन बाल श्रमिक के बारे में क्या अभियान चलाते हैं?

A)बाल श्रमिकों का पता लगाना
B)उन्हें शोषणकर्ता के चंगुल से बचाना
C)उन्हें समाज सेवकों के सुपुर्द करना
D)विकल्पों में से सभी

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।

यद्यपि 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों का कारखानों में काम करना गैर-कानूनी है फिर भी श्रमिकों की समस्या अत्यंत विकराल है। कुछ समाजसेवी संस्थाओं, जैसे 'बचपन बचाओ' के द्वारा बाल श्रमिकों के उन्मूलन के प्रयास किए जा रहें हैं। समाचार पत्र, समाज सेवकों तथा दूरदर्शन के अनेक चैनल समय-समय पर बाल श्रमिकों का पता लगाकर उन्हें शोषणकर्ताओं के चंगुल से मुक्ति का अभियान चलाते हैं। परन्तु भारत जैसे देश में बाल श्रमिकों की समस्या को इतनी आसानी से सुलझाया नहीं जा सकता है। इस समस्या को सुलझाने के लिए सभी ओर से युद्ध स्तर पर प्रयास किया जाना चाहिए। इस दिशा में पहला कदम घरों से होनी चाहिए। अमीरों के घरों में, नौकरानी माँ के साथ-साथ उसके बच्चे भी काम करने आते हैं। हम महिलायें इसे रोक सकती हैं। हमें दृढ निश्चय कर लेना चाहिए कि हम बच्चों से कोई काम नहीं करवाएंगे। भारतीय नागरिक होने के नाते यह हमारा पहला कर्तव्य है कि हम सभी बच्चों को विद्यालय भेजने का प्रयास करें ताकि सभी बच्चों को बुनियादी शिक्षा प्राप्त हो सके। यह काम सरल नहीं है पर असंभव भी नहीं है, चेष्टा करने से जरूर सफलता मिल सकती है।

दूरदर्शन बाल श्रमिक के बारे में क्या अभियान चलाते हैं?

A)बाल श्रमिकों का पता लगाना
B)उन्हें शोषणकर्ता के चंगुल से बचाना
C)उन्हें समाज सेवकों के सुपुर्द करना
D)विकल्पों में से सभी

Answer Key : D

Question No. 62

Teachingninja.in

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।

यद्यपि 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों का कारखानों में काम करना गैर-कानूनी है फिर भी श्रमिकों की समस्या अत्यंत विकराल है। कुछ समाजसेवी संस्थाओं, जैसे 'बचपन बचाओ' के द्वारा बाल श्रमिकों के उन्मूलन के प्रयास किए जा रहें हैं। समाचार पत्र, समाज सेवकों तथा दूरदर्शन के अनेक चैनल समय-समय पर बाल श्रमिकों का पता लगाकर उन्हें शोषणकर्ताओं के चंगुल से मुक्ति का अभियान चलाते हैं। परन्तु भारत जैसे देश में बाल श्रमिकों की समस्या को इतनी आसानी से सुलझाया नहीं जा सकता है। इस समस्या को सुलझाने के लिए सभी ओर से युद्ध स्तर पर प्रयास किया जाना चाहिए। इस दिशा में पहला कदम घरों से होनी चाहिए। अमीरों के घरों में, नौकरानी माँ के साथ-साथ उसके बच्चे भी काम करने आते हैं। हम महिलायें इसे रोक सकती हैं। हमें दृढ निश्चय कर लेना चाहिए कि हम बच्चों से कोई काम नहीं करवाएंगे। भारतीय नागरिक होने के नाते यह हमारा पहला कर्तव्य है कि हम सभी बच्चों को विद्यालय भेजने का प्रयास करें ताकि सभी बच्चों को बुनियादी शिक्षा प्राप्त हो सके। यह काम सरल नहीं है पर असंभव भी नहीं है, चेष्टा करने से जरूर सफलता मिल सकती है।

बाल श्रमिक समस्या को सुलझाने के लिए कैसे प्रयत्न किये जाने चाहिए?

A)सभी लोगों को प्रयत्न करना चाहिए।

B)समाज के सभी ओर से प्रयत्न होना चाहिए।

C)सभी ओर से युद्ध स्तर पर प्रयत्न होना चाहिए।

D)बाल श्रमिक के प्रति लोगों में जागरूकता आनी चाहिए।

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।

यद्यपि 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों का कारखानों में काम करना गैर-कानूनी है फिर भी श्रमिकों की समस्या अत्यंत विकराल है। कुछ समाजसेवी संस्थाओं, जैसे 'बचपन बचाओ' के द्वारा बाल श्रमिकों के उन्मूलन के प्रयास किए जा रहें हैं। समाचार पत्र, समाज सेवकों तथा दूरदर्शन के अनेक चैनल समय-समय पर बाल श्रमिकों का पता लगाकर उन्हें शोषणकर्ताओं के चंगुल से मुक्ति का अभियान चलाते हैं। परन्तु भारत जैसे देश में बाल श्रमिकों की समस्या को इतनी आसानी से सुलझाया नहीं जा सकता है। इस समस्या को सुलझाने के लिए सभी ओर से युद्ध स्तर पर प्रयास किया जाना चाहिए। इस दिशा में पहला कदम घरों से होनी चाहिए। अमीरों के घरों में, नौकरानी माँ के साथ-साथ उसके बच्चे भी काम करने आते हैं। हम महिलायें इसे रोक सकती हैं। हमें दृढ निश्चय कर लेना चाहिए कि हम बच्चों से कोई काम नहीं करवाएंगे। भारतीय नागरिक होने के नाते यह हमारा पहला कर्तव्य है कि हम सभी बच्चों को विद्यालय भेजने का प्रयास करें ताकि सभी बच्चों को बुनियादी शिक्षा प्राप्त हो सके। यह काम सरल नहीं है पर असंभव भी नहीं है, चेष्टा करने से जरूर सफलता मिल सकती है।

बाल श्रमिक समस्या को सुलझाने के लिए कैसे प्रयत्न किये जाने चाहिए?

A)सभी लोगों को प्रयत्न करना चाहिए।

B)समाज के सभी ओर से प्रयत्न होना चाहिए।

C)सभी ओर से युद्ध स्तर पर प्रयत्न होना चाहिए।

D)बाल श्रमिक के प्रति लोगों में जागरूकता आनी चाहिए।

Answer Key : C

Question No. 63

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।

यद्यपि 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों का कारखानों में काम करना गैर-कानूनी है फिर भी श्रमिकों की समस्या अत्यंत विकराल है। कुछ समाजसेवी संस्थाओं, जैसे 'बचपन बचाओ' के द्वारा बाल श्रमिकों के उन्मूलन के प्रयास किए जा रहें हैं। समाचार पत्र, समाज सेवकों तथा दूरदर्शन के अनेक चैनल समय-समय पर बाल श्रमिकों का पता लगाकर उन्हें शोषणकर्ताओं के चंगुल से मुक्ति का अभियान चलाते हैं। परन्तु भारत जैसे देश में बाल श्रमिकों की समस्या को इतनी आसानी से सुलझाया नहीं जा सकता है। इस समस्या को सुलझाने के लिए सभी ओर से युद्ध स्तर पर प्रयास किया जाना चाहिए। इस दिशा में पहला कदम घरों से होनी चाहिए। अमीरों के घरों में, नौकरानी माँ के साथ-साथ उसके बच्चे भी काम करने आते हैं। हम महिलायें इसे रोक सकती हैं। हमें दृढ निश्चय कर लेना चाहिए कि हम बच्चों से कोई काम नहीं करवाएंगे। भारतीय नागरिक होने के नाते यह हमारा पहला कर्तव्य है कि हम सभी बच्चों को विद्यालय भेजने का प्रयास करें ताकि सभी बच्चों को बुनियादी शिक्षा प्राप्त हो सके। यह काम सरल नहीं है पर असंभव भी नहीं है, चेष्टा करने से जरूर सफलता मिल सकती है।

भारत में इस समस्या को सुलझाना कठिन क्यों है?

A)बाल श्रमिकों की संख्या अधिक है।

B)यह समस्या पूरे भारत में है।

C)समाज सेवी संस्थाओं की कमी है।

D)विकल्पों में से सभी के कारणों से इस समस्या को सुलझाना कठिन है।

Teachingninja.in

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।

यद्यपि 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों का कारखानों में काम करना गैर-कानूनी है फिर भी श्रमिकों की समस्या अत्यंत विकराल है। कुछ समाजसेवी संस्थाओं, जैसे 'बचपन बचाओ' के द्वारा बाल श्रमिकों के उन्मूलन के प्रयास किए जा रहें हैं। समाचार पत्र, समाज सेवकों तथा दूरदर्शन के अनेक चैनल समय-समय पर बाल श्रमिकों का पता लगाकर उन्हें शोषणकर्ताओं के चंगुल से मुक्ति का अभियान चलाते हैं। परन्तु भारत जैसे देश में बाल श्रमिकों की समस्या को इतनी आसानी से सुलझाया नहीं जा सकता है। इस समस्या को सुलझाने के लिए सभी ओर से युद्ध स्तर पर प्रयास किया जाना चाहिए। इस दिशा में पहला कदम घरों से होनी चाहिए। अमीरों के घरों में, नौकरानी माँ के साथ-साथ उसके बच्चे भी काम करने आते हैं। हम महिलायें इसे रोक सकती हैं। हमें दृढ निश्चय कर लेना चाहिए कि हम बच्चों से कोई काम नहीं करवाएंगे। भारतीय नागरिक होने के नाते यह हमारा पहला कर्तव्य है कि हम सभी बच्चों को विद्यालय भेजने का प्रयास करें ताकि सभी बच्चों को बुनियादी शिक्षा प्राप्त हो सके। यह काम सरल नहीं है पर असंभव भी नहीं है, चेष्टा करने से जरूर सफलता मिल सकती है।

भारत में इस समस्या को सुलझाना कठिन क्यों है?

A)बाल श्रमिकों की संख्या अधिक है।

B)यह समस्या पूरे भारत में है।

C)समाज सेवी संस्थाओं की कमी है।

D)विकल्पों में से सभी के कारणों से इस समस्या को सुलझाना कठिन है।

Answer Key : D

Question No. 64

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।

यद्यपि 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों का कारखानों में काम करना गैर-कानूनी है फिर भी श्रमिकों की समस्या अत्यंत विकराल है। कुछ समाजसेवी संस्थाओं, जैसे 'बचपन बचाओ' के द्वारा बाल श्रमिकों के उन्मूलन के प्रयास किए जा रहें हैं। समाचार पत्र, समाज सेवकों तथा दूरदर्शन के अनेक चैनल समय-समय पर बाल श्रमिकों का पता लगाकर उन्हें शोषणकर्ताओं के चंगुल से मुक्ति का अभियान चलाते हैं। परन्तु भारत जैसे देश में बाल श्रमिकों की समस्या को इतनी आसानी से सुलझाया नहीं जा सकता है। इस समस्या को सुलझाने के लिए सभी ओर से युद्ध स्तर पर प्रयास किया जाना चाहिए। इस दिशा में पहला कदम घरों से होनी चाहिए। अमीरों के घरों में, नौकरानी माँ के साथ-साथ उसके बच्चे भी काम करने आते हैं। हम महिलायें इसे रोक सकती हैं। हमें दृढ निश्चय कर लेना चाहिए कि हम बच्चों से कोई काम नहीं करवाएंगे। भारतीय नागरिक होने के नाते यह हमारा पहला कर्तव्य है कि हम सभी बच्चों को विद्यालय भेजने का प्रयास करें ताकि सभी बच्चों को बुनियादी शिक्षा प्राप्त हो सके। यह काम सरल नहीं है पर असंभव भी नहीं है, चेष्टा करने से जरूर सफलता मिल सकती है।

इस अनुच्छेद का एक उचित शीर्षक चुनिए।

A)बाल श्रमिक

B)बाल श्रमिकों की रक्षा

C)बाल श्रमिकों का उद्धार

D)भारत में बाल श्रमिकों की समस्या का समाधान

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।

यद्यपि 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों का कारखानों में काम करना गैर-कानूनी है फिर भी श्रमिकों की समस्या अत्यंत विकराल है। कुछ समाजसेवी संस्थाओं, जैसे 'बचपन बचाओ' के द्वारा बाल श्रमिकों के उन्मूलन के प्रयास किए जा रहें हैं। समाचार पत्र, समाज सेवकों तथा दूरदर्शन के अनेक चैनल समय-समय पर बाल श्रमिकों का पता लगाकर उन्हें शोषणकर्ताओं के चंगुल से मुक्ति का अभियान चलाते हैं। परन्तु भारत जैसे देश में बाल श्रमिकों की समस्या को इतनी आसानी से सुलझाया नहीं जा सकता है। इस समस्या को सुलझाने के लिए सभी ओर से युद्ध स्तर पर प्रयास किया जाना चाहिए। इस दिशा में पहला कदम घरों से होनी चाहिए। अमीरों के घरों में, नौकरानी माँ के साथ-साथ उसके बच्चे भी काम करने आते हैं। हम महिलायें इसे रोक सकती हैं। हमें दृढ निश्चय कर लेना चाहिए कि हम बच्चों से कोई काम नहीं करवाएंगे। भारतीय नागरिक होने के नाते यह हमारा पहला कर्तव्य है कि हम सभी बच्चों को विद्यालय भेजने का प्रयास करें ताकि सभी बच्चों को बुनियादी शिक्षा प्राप्त हो सके। यह काम सरल नहीं है पर असंभव भी नहीं है, चेष्टा करने से जरूर सफलता मिल सकती है।

इस अनुच्छेद का एक उचित शीर्षक चुनिए।

A)बाल श्रमिक

B)बाल श्रमिकों की रक्षा

C)बाल श्रमिकों का उद्धार

D)भारत में बाल श्रमिकों की समस्या का समाधान

Answer Key : D

Question No. 65

Teachingninja.in

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।
वसंत ऋतु के आने पर चारों ओर माधुर्य छा जाता है। पेड़-पौधों पर नव पल्लव आ जाते हैं। रंग-बिरंगे पुष्प खिलकर महकने लगते हैं। पुष्पों पर भौंरें मंडराने लगते हैं। सरसों के खेत वसंती वस्त्र ओढ़कर थिरकने लगते हैं। वे ऐसे लगते हैं कि मानो धरती रूपी दुल्हन ने सितारों से जड़ी पीली ओढ़नी ओढ़ ली हो। आम्र वृक्षों पर बौर आ जाते हैं। कोयल की कूक सबका मन मोह लेती है।
वसंत पंचमी से वसंत का शुरुआत होता है। ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी सरस्वती का इसी दिन जन्म हुआ। सर्वत्र सरस्वती पूजन का पर्व मनाया जाता है। होली का पर्व भी वसंत ऋतु में ही आता है। वासंतीय नवरात्रि भी वसंत ऋतु में ही मनाए जाते हैं। राम नवमी का पर्व भी इसी ऋतु में आता है।
वसंत ऋतु कब से शुरु होता है?
A)राम नवमी के दिन से
B)दशमी के दिन से
C)वसंत पंचमी के दिन से
D)वसंत सप्तमी के दिन से

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।
वसंत ऋतु के आने पर चारों ओर माधुर्य छा जाता है। पेड़-पौधों पर नव पल्लव आ जाते हैं। रंग-बिरंगे पुष्प खिलकर महकने लगते हैं। पुष्पों पर भौंरें मंडराने लगते हैं। सरसों के खेत वसंती वस्त्र ओढ़कर थिरकने लगते हैं। वे ऐसे लगते हैं कि मानो धरती रूपी दुल्हन ने सितारों से जड़ी पीली ओढ़नी ओढ़ ली हो। आम्र वृक्षों पर बौर आ जाते हैं। कोयल की कूक सबका मन मोह लेती है।
वसंत पंचमी से वसंत का शुरुआत होता है। ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी सरस्वती का इसी दिन जन्म हुआ। सर्वत्र सरस्वती पूजन का पर्व मनाया जाता है। होली का पर्व भी वसंत ऋतु में ही आता है। वासंतीय नवरात्रि भी वसंत ऋतु में ही मनाए जाते हैं। राम नवमी का पर्व भी इसी ऋतु में आता है।
वसंत ऋतु कब से शुरु होता है?
A)राम नवमी के दिन से
B)दशमी के दिन से
C)वसंत पंचमी के दिन से
D)वसंत सप्तमी के दिन से
Answer Key : C

Question No. 66

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।
वसंत ऋतु के आने पर चारों ओर माधुर्य छा जाता है। पेड़-पौधों पर नव पल्लव आ जाते हैं। रंग-बिरंगे पुष्प खिलकर महकने लगते हैं। पुष्पों पर भौंरें मंडराने लगते हैं। सरसों के खेत वसंती वस्त्र ओढ़कर थिरकने लगते हैं। वे ऐसे लगते हैं कि मानो धरती रूपी दुल्हन ने सितारों से जड़ी पीली ओढ़नी ओढ़ ली हो। आम्र वृक्षों पर बौर आ जाते हैं। कोयल की कूक सबका मन मोह लेती है।
वसंत पंचमी से वसंत का शुरुआत होता है। ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी सरस्वती का इसी दिन जन्म हुआ। सर्वत्र सरस्वती पूजन का पर्व मनाया जाता है। होली का पर्व भी वसंत ऋतु में ही आता है। वासंतीय नवरात्रि भी वसंत ऋतु में ही मनाए जाते हैं। राम नवमी का पर्व भी इसी ऋतु में आता है।
सरसों के खेत कैसे लगते हैं?
A)सुन्दर ओढ़नी ओढ़े हुए
B)नीले रंग की ओढ़नी ओढ़े हुए
C)मानो धरती रूपी दुल्हन ने सितारों से जड़ी पीली ओढ़नी पहनी हो
D)पूरी धरती वसंती रंग से रंग गई

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।
वसंत ऋतु के आने पर चारों ओर माधुर्य छा जाता है। पेड़-पौधों पर नव पल्लव आ जाते हैं। रंग-बिरंगे पुष्प खिलकर महकने लगते हैं। पुष्पों पर भौंरें मंडराने लगते हैं। सरसों के खेत वसंती वस्त्र ओढ़कर थिरकने लगते हैं। वे ऐसे लगते हैं कि मानो धरती रूपी दुल्हन ने सितारों से जड़ी पीली ओढ़नी ओढ़ ली हो। आम्र वृक्षों पर बौर आ जाते हैं। कोयल की कूक सबका मन मोह लेती है।
वसंत पंचमी से वसंत का शुरुआत होता है। ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी सरस्वती का इसी दिन जन्म हुआ। सर्वत्र सरस्वती पूजन का पर्व मनाया जाता है। होली का पर्व भी वसंत ऋतु में ही आता है। वासंतीय नवरात्रि भी वसंत ऋतु में ही मनाए जाते हैं। राम नवमी का पर्व भी इसी ऋतु में आता है।
सरसों के खेत कैसे लगते हैं?
A)सुन्दर ओढ़नी ओढ़े हुए
B)नीले रंग की ओढ़नी ओढ़े हुए

Teachingninja.in

C)मानो धरती रूपी दुल्हन ने सितारों से जड़ी पीली ओढ़नी पहनी हो D)पूरी धरती वसंती रंग से रंग गई

Answer Key : C

Question No. 67

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।

वसंत ऋतु के आने पर चारों ओर माधुर्य छा जाता है। पेड़-पौधों पर नव पल्लव आ जाते हैं। रंग-बिरंगे पुष्प खिलकर महकने लगते हैं। पुष्पों पर भौंरें मंडराने लगते हैं। सरसों के खेत वसंती वस्त्र ओढ़कर थिरकने लगते हैं। वे ऐसे लगते हैं कि मानो धरती रूपी दुल्हन ने सितारों से जड़ी पीली ओढ़नी ओढ़ ली हो। आम्र वृक्षों पर बौर आ जाते हैं। कोयल की कूक सबका मन मोह लेती है।

वसंत पंचमी से वसंत का शुरुआत होता है। ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी सरस्वती का इसी दिन जन्म हुआ। सर्वत्र सरस्वती पूजन का पर्व मनाया जाता है। होली का पर्व भी वसंत ऋतु में ही आता है। वासंतीय नवरात्रि भी वसंत ऋतु में ही मनाए जाते हैं। राम नवमी का पर्व भी इसी ऋतु में आता है।

वसंत ऋतु के आने पर क्या-क्या होता है?

A)फूल खिलने लगते हैं। B)धरती महकने लगती है और कोयल कूकने लगती है।

C)आम के पेड़ पर बौर आ जाते हैं। D)विकल्पों में से सभी

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।

वसंत ऋतु के आने पर चारों ओर माधुर्य छा जाता है। पेड़-पौधों पर नव पल्लव आ जाते हैं। रंग-बिरंगे पुष्प खिलकर महकने लगते हैं। पुष्पों पर भौंरें मंडराने लगते हैं। सरसों के खेत वसंती वस्त्र ओढ़कर थिरकने लगते हैं। वे ऐसे लगते हैं कि मानो धरती रूपी दुल्हन ने सितारों से जड़ी पीली ओढ़नी ओढ़ ली हो। आम्र वृक्षों पर बौर आ जाते हैं। कोयल की कूक सबका मन मोह लेती है।

वसंत पंचमी से वसंत का शुरुआत होता है। ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी सरस्वती का इसी दिन जन्म हुआ। सर्वत्र सरस्वती पूजन का पर्व मनाया जाता है। होली का पर्व भी वसंत ऋतु में ही आता है। वासंतीय नवरात्रि भी वसंत ऋतु में ही मनाए जाते हैं। राम नवमी का पर्व भी इसी ऋतु में आता है।

वसंत ऋतु के आने पर क्या-क्या होता है?

A)फूल खिलने लगते हैं। B)धरती महकने लगती है और कोयल कूकने लगती है।

C)आम के पेड़ पर बौर आ जाते हैं। D)विकल्पों में से सभी

Answer Key : D

Question No. 68

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।

वसंत ऋतु के आने पर चारों ओर माधुर्य छा जाता है। पेड़-पौधों पर नव पल्लव आ जाते हैं। रंग-बिरंगे पुष्प खिलकर महकने लगते हैं। पुष्पों पर भौंरें मंडराने लगते हैं। सरसों के खेत वसंती वस्त्र ओढ़कर थिरकने लगते हैं। वे ऐसे लगते हैं कि मानो धरती रूपी दुल्हन ने सितारों से जड़ी पीली ओढ़नी ओढ़ ली हो। आम्र वृक्षों पर बौर आ जाते हैं। कोयल की कूक सबका मन मोह लेती है।

वसंत पंचमी से वसंत का शुरुआत होता है। ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी सरस्वती का इसी दिन जन्म हुआ। सर्वत्र सरस्वती पूजन का पर्व मनाया जाता है। होली का पर्व भी वसंत ऋतु में ही आता है। वासंतीय नवरात्रि भी वसंत ऋतु में ही मनाए जाते हैं। राम नवमी का पर्व भी इसी ऋतु में आता है।

इस ऋतु के प्रधान पर्व कौन-से हैं?

A)राम नवमी का पर्व B)सरस्वती पूजा का पर्व

C)होली का पर्व D)विकल्पों में से सभी

Teachingninja.in

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।

वसंत ऋतु के आने पर चारों ओर माधुर्य छा जाता है। पेड़-पौधों पर नव पल्लव आ जाते हैं। रंग-बिरंगे पुष्प खिलकर महकने लगते हैं। पुष्पों पर भौंरें मंडराने लगते हैं। सरसों के खेत वसंती वस्त्र ओढ़कर थिरकने लगते हैं। वे ऐसे लगते हैं कि मानो धरती रूपी दुल्हन ने सितारों से जड़ी पीली ओढ़नी ओढ़ ली हो। आम्र वृक्षों पर बौर आ जाते हैं। कोयल की कूक सबका मन मोह लेती है।

वसंत पंचमी से वसंत का शुरुआत होता है। ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी सरस्वती का इसी दिन जन्म हुआ। सर्वत्र सरस्वती पूजन का पर्व मनाया जाता है। होली का पर्व भी वसंत ऋतु में ही आता है। वासंतीय नवरात्रि भी वसंत ऋतु में ही मनाए जाते हैं। राम नवमी का पर्व भी इसी ऋतु में आता है।

इस ऋतु के प्रधान पर्व कौन-से हैं?

A)राम नवमी का पर्व
B)सरस्वती पूजा का पर्व
C)होली का पर्व
D)विकल्पों में से सभी

Answer Key : A

Question No. 69

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।

वसंत ऋतु के आने पर चारों ओर माधुर्य छा जाता है। पेड़-पौधों पर नव पल्लव आ जाते हैं। रंग-बिरंगे पुष्प खिलकर महकने लगते हैं। पुष्पों पर भौंरें मंडराने लगते हैं। सरसों के खेत वसंती वस्त्र ओढ़कर थिरकने लगते हैं। वे ऐसे लगते हैं कि मानो धरती रूपी दुल्हन ने सितारों से जड़ी पीली ओढ़नी ओढ़ ली हो। आम्र वृक्षों पर बौर आ जाते हैं। कोयल की कूक सबका मन मोह लेती है।

वसंत पंचमी से वसंत का शुरुआत होता है। ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी सरस्वती का इसी दिन जन्म हुआ। सर्वत्र सरस्वती पूजन का पर्व मनाया जाता है। होली का पर्व भी वसंत ऋतु में ही आता है। वासंतीय नवरात्रि भी वसंत ऋतु में ही मनाए जाते हैं। राम नवमी का पर्व भी इसी ऋतु में आता है।

इस अनुच्छेद का एक उचित शीर्षक चुनिए।

A)वसंत ऋतु
B)वसंत-पंचमी का पर्व
C)होली का पर्व
D)वसंत ऋतु का वैभव

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।

वसंत ऋतु के आने पर चारों ओर माधुर्य छा जाता है। पेड़-पौधों पर नव पल्लव आ जाते हैं। रंग-बिरंगे पुष्प खिलकर महकने लगते हैं। पुष्पों पर भौंरें मंडराने लगते हैं। सरसों के खेत वसंती वस्त्र ओढ़कर थिरकने लगते हैं। वे ऐसे लगते हैं कि मानो धरती रूपी दुल्हन ने सितारों से जड़ी पीली ओढ़नी ओढ़ ली हो। आम्र वृक्षों पर बौर आ जाते हैं। कोयल की कूक सबका मन मोह लेती है।

वसंत पंचमी से वसंत का शुरुआत होता है। ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी सरस्वती का इसी दिन जन्म हुआ। सर्वत्र सरस्वती पूजन का पर्व मनाया जाता है। होली का पर्व भी वसंत ऋतु में ही आता है। वासंतीय नवरात्रि भी वसंत ऋतु में ही मनाए जाते हैं। राम नवमी का पर्व भी इसी ऋतु में आता है।

इस अनुच्छेद का एक उचित शीर्षक चुनिए।

A)वसंत ऋतु
B)वसंत-पंचमी का पर्व
C)होली का पर्व
D)वसंत ऋतु का वैभव

Answer Key : D

Question No. 70

Which of the following autobiographical notes mentions the diamonds found at Jharkhand?

A)Baburnama
B)Ardhakathanak
C)Harshacharita
D)Tajuk-e-Jahangir

निम्नलिखित में से किस आत्मकथात्मक नोट (notes) में झारखण्ड में पाए जाने वाले हीरों का उल्लेख है?

A)बाबरनामा
B)अर्धकथानक
C)हर्षचरिता
D)ताजुक-ए-जहाँगीर

Answer Key : D

Teachingninja.in

Question No. 71

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। वह अकेला नहीं रह सकता। समाज में वह अनेक प्रकार के संबंध बनाता है। इन्हीं में एक संबंध होता है पड़ोसी का। पड़ोसी वे हैं जो हमारे घरों के आस-पास रहते हैं। पड़ोसी ही हमारे सबसे पहले सुख-दुख के साथी होते हैं। कोई भी समय हो, हमारे सगे-संबन्धी तो बाद में पहुँचेंगे, सबसे पहले पास-पड़ोस के लोग ही हमारे साथ खड़े दिखाई देंगे। एक अच्छा पड़ोसी समय पड़ने पर उचित सलाह देकर हमारा मार्गदर्शन करता है और यथासंभव मदद भी करता है। यदि पड़ोसी अच्छा मिल जाए तो जीवन स्वर्ग बन जाता है। पड़ोसी अच्छा न हो तो राम भरोसे ही जीवन कटता है। बुरे पड़ोसी से बचने के लिए रोज-रोज मकान तो बदला नहीं जा सकता। फिर क्या गारंटी है कि नई जगह पर नया पड़ोसी अच्छा ही होगा। कहीं वह पहलेवाले से भी सवा सेर मिल गया तो फिर भगवान ही बचाए। पड़ोसी के साथ व्यवहार में बहुत सावधानी बरतनी पडती है, बातचीत में व्यवहार में संतुलित रहना पडता है। एक अच्छे पड़ोसी की अच्छाई का इतना फ़ायदा नहीं उठाना चाहिए कि कुछ समय बाद वही हमारा शत्रु दिखने लगे।

पड़ोसी हमारा पहला साथी कैसे होता है?

A)वे हमारे निकट होते हैं।

B)वे तुरन्त आ जाते हैं।

C)हमारे दुख के साथी हैं।

D)उचित सलाह देकर हमारा मार्गदर्शन करते हैं।

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। वह अकेला नहीं रह सकता। समाज में वह अनेक प्रकार के संबंध बनाता है। इन्हीं में एक संबंध होता है पड़ोसी का। पड़ोसी वे हैं जो हमारे घरों के आस-पास रहते हैं। पड़ोसी ही हमारे सबसे पहले सुख-दुख के साथी होते हैं। कोई भी समय हो, हमारे सगे-संबन्धी तो बाद में पहुँचेंगे, सबसे पहले पास-पड़ोस के लोग ही हमारे साथ खड़े दिखाई देंगे। एक अच्छा पड़ोसी समय पड़ने पर उचित सलाह देकर हमारा मार्गदर्शन करता है और यथासंभव मदद भी करता है। यदि पड़ोसी अच्छा मिल जाए तो जीवन स्वर्ग बन जाता है। पड़ोसी अच्छा न हो तो राम भरोसे ही जीवन कटता है। बुरे पड़ोसी से बचने के लिए रोज-रोज मकान तो बदला नहीं जा सकता। फिर क्या गारंटी है कि नई जगह पर नया पड़ोसी अच्छा ही होगा। कहीं वह पहलेवाले से भी सवा सेर मिल गया तो फिर भगवान ही बचाए। पड़ोसी के साथ व्यवहार में बहुत सावधानी बरतनी पडती है, बातचीत में व्यवहार में संतुलित रहना पडता है। एक अच्छे पड़ोसी की अच्छाई का इतना फ़ायदा नहीं उठाना चाहिए कि कुछ समय बाद वही हमारा शत्रु दिखने लगे।

पड़ोसी हमारा पहला साथी कैसे होता है?

A)वे हमारे निकट होते हैं।

B)वे तुरन्त आ जाते हैं।

C)हमारे दुख के साथी हैं।

D)उचित सलाह देकर हमारा मार्गदर्शन करते हैं।

Answer Key : D

Question No. 72

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। वह अकेला नहीं रह सकता। समाज में वह अनेक प्रकार के संबंध बनाता है। इन्हीं में एक संबंध होता है पड़ोसी का। पड़ोसी वे हैं जो हमारे घरों के आस-पास रहते हैं। पड़ोसी ही हमारे सबसे पहले सुख-दुख के साथी होते हैं। कोई भी समय हो, हमारे सगे-संबन्धी तो बाद में पहुँचेंगे, सबसे पहले पास-पड़ोस के लोग ही हमारे साथ खड़े दिखाई देंगे। एक अच्छा पड़ोसी समय पड़ने पर उचित सलाह देकर हमारा मार्गदर्शन करता है और यथासंभव मदद भी करता है। यदि पड़ोसी अच्छा मिल जाए तो जीवन स्वर्ग बन जाता है। पड़ोसी अच्छा न हो तो राम भरोसे ही जीवन कटता है। बुरे पड़ोसी से बचने के लिए रोज-रोज मकान तो बदला नहीं जा सकता। फिर क्या गारंटी है कि नई जगह पर नया पड़ोसी अच्छा ही होगा। कहीं वह पहलेवाले से भी सवा सेर मिल गया तो फिर भगवान ही बचाए। पड़ोसी के साथ व्यवहार में बहुत सावधानी बरतनी पडती है, बातचीत में व्यवहार में संतुलित रहना पडता है। एक अच्छे पड़ोसी की अच्छाई का इतना फ़ायदा नहीं उठाना चाहिए कि कुछ समय बाद वही हमारा शत्रु दिखने लगे।

अच्छे पड़ोसी से हमारा जीवन कैसा होता है?

A)सुखदायक

B)शान्तीदायक

C)स्वर्ग-सा आनन्ददायक

D)असंतोषदायक

Teachingninja.in

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। वह अकेला नहीं रह सकता। समाज में वह अनेक प्रकार के संबंध बनाता है। इन्हीं में एक संबंध होता है पड़ोसी का। पड़ोसी वे हैं जो हमारे घरों के आस-पास रहते हैं। पड़ोसी ही हमारे सबसे पहले सुख-दुख के साथी होते हैं। कोई भी समय हो, हमारे सगे-संबन्धी तो बाद में पहुँचेंगे, सबसे पहले पास-पड़ोस के लोग ही हमारे साथ खड़े दिखाई देंगे। एक अच्छा पड़ोसी समय पड़ने पर उचित सलाह देकर हमारा मार्गदर्शन करता है और यथासंभव मदद भी करता है। यदि पड़ोसी अच्छा मिल जाए तो जीवन स्वर्ग बन जाता है। पड़ोसी अच्छा न हो तो राम भरोसे ही जीवन कटता है। बुरे पड़ोसी से बचने के लिए रोज-रोज मकान तो बदला नहीं जा सकता। फिर क्या गारंटी है कि नई जगह पर नया पड़ोसी अच्छा ही होगा। कहीं वह पहलेवाले से भी सवा सेर मिल गया तो फिर भगवान ही बचाए। पड़ोसी के साथ व्यवहार में बहुत सावधानी बरतनी पडती है, बातचीत में व्यवहार में संतुलित रहना पडता है। एक अच्छे पड़ोसी की अच्छाई का इतना फ़ायदा नहीं उठाना चाहिए कि कुछ समय बाद वही हमारा शत्रु दिखने लगे।

अच्छे पड़ोसी से हमारा जीवन कैसा होता है?

A)सुखदायक
B)शान्तीदायक
C)स्वर्ग-सा आनन्ददायक
D)असंतोषदायक

Answer Key : C

Question No. 73

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। वह अकेला नहीं रह सकता। समाज में वह अनेक प्रकार के संबंध बनाता है। इन्हीं में एक संबंध होता है पड़ोसी का। पड़ोसी वे हैं जो हमारे घरों के आस-पास रहते हैं। पड़ोसी ही हमारे सबसे पहले सुख-दुख के साथी होते हैं। कोई भी समय हो, हमारे सगे-संबन्धी तो बाद में पहुँचेंगे, सबसे पहले पास-पड़ोस के लोग ही हमारे साथ खड़े दिखाई देंगे। एक अच्छा पड़ोसी समय पड़ने पर उचित सलाह देकर हमारा मार्गदर्शन करता है और यथासंभव मदद भी करता है। यदि पड़ोसी अच्छा मिल जाए तो जीवन स्वर्ग बन जाता है। पड़ोसी अच्छा न हो तो राम भरोसे ही जीवन कटता है। बुरे पड़ोसी से बचने के लिए रोज-रोज मकान तो बदला नहीं जा सकता। फिर क्या गारंटी है कि नई जगह पर नया पड़ोसी अच्छा ही होगा। कहीं वह पहलेवाले से भी सवा सेर मिल गया तो फिर भगवान ही बचाए। पड़ोसी के साथ व्यवहार में बहुत सावधानी बरतनी पडती है, बातचीत में व्यवहार में संतुलित रहना पडता है। एक अच्छे पड़ोसी की अच्छाई का इतना फ़ायदा नहीं उठाना चाहिए कि कुछ समय बाद वही हमारा शत्रु दिखने लगे।

पड़ोसी से हमारा व्यवहार कैसे होना चाहिए?

A)सावधानी पूर्ण
B)बातचीत में संतुलित
C)व्यवहार में संतुलित
D)विकल्पों में से सभी

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। वह अकेला नहीं रह सकता। समाज में वह अनेक प्रकार के संबंध बनाता है। इन्हीं में एक संबंध होता है पड़ोसी का। पड़ोसी वे हैं जो हमारे घरों के आस-पास रहते हैं। पड़ोसी ही हमारे सबसे पहले सुख-दुख के साथी होते हैं। कोई भी समय हो, हमारे सगे-संबन्धी तो बाद में पहुँचेंगे, सबसे पहले पास-पड़ोस के लोग ही हमारे साथ खड़े दिखाई देंगे। एक अच्छा पड़ोसी समय पड़ने पर उचित सलाह देकर हमारा मार्गदर्शन करता है और यथासंभव मदद भी करता है। यदि पड़ोसी अच्छा मिल जाए तो जीवन स्वर्ग बन जाता है। पड़ोसी अच्छा न हो तो राम भरोसे ही जीवन कटता है। बुरे पड़ोसी से बचने के लिए रोज-रोज मकान तो बदला नहीं जा सकता। फिर क्या गारंटी है कि नई जगह पर नया पड़ोसी अच्छा ही होगा। कहीं वह पहलेवाले से भी सवा सेर मिल गया तो फिर भगवान ही बचाए। पड़ोसी के साथ व्यवहार में बहुत सावधानी बरतनी पडती है, बातचीत में व्यवहार में संतुलित रहना पडता है। एक अच्छे पड़ोसी की अच्छाई का इतना फ़ायदा नहीं उठाना चाहिए कि कुछ समय बाद वही हमारा शत्रु दिखने लगे।

पड़ोसी से हमारा व्यवहार कैसे होना चाहिए?

A)सावधानी पूर्ण
B)बातचीत में संतुलित
C)व्यवहार में संतुलित
D)विकल्पों में से सभी

Answer Key : D

Question No. 74

Teachingninja.in

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। वह अकेला नहीं रह सकता। समाज में वह अनेक प्रकार के संबंध बनाता है। इन्हीं में एक संबंध होता है पड़ोसी का। पड़ोसी वे हैं जो हमारे घरों के आस-पास रहते हैं। पड़ोसी ही हमारे सबसे पहले सुख-दुख के साथी होते हैं। कोई भी समय हो, हमारे सगे-संबन्धी तो बाद में पहुँचेंगे, सबसे पहले पास-पड़ोस के लोग ही हमारे साथ खड़े दिखाई देंगे। एक अच्छा पड़ोसी समय पड़ने पर उचित सलाह देकर हमारा मार्गदर्शन करता है और यथासंभव मदद भी करता है। यदि पड़ोसी अच्छा मिल जाए तो जीवन स्वर्ग बन जाता है। पड़ोसी अच्छा न हो तो राम भरोसे ही जीवन कटता है। बुरे पड़ोसी से बचने के लिए रोज-रोज मकान तो बदला नहीं जा सकता। फिर क्या गारंटी है कि नई जगह पर नया पड़ोसी अच्छा ही होगा। कहीं वह पहलेवाले से भी सवा सेर मिल गया तो फिर भगवान ही बचाए। पड़ोसी के साथ व्यवहार में बहुत सावधानी बरतनी पडती है, बातचीत में व्यवहार में संतुलित रहना पडता है। एक अच्छे पड़ोसी की अच्छाई का इतना फ़ायदा नहीं उठाना चाहिए कि कुछ समय बाद वही हमारा शत्रु दिखने लगे।

अच्छे पड़ोसी की अच्छाई से अधिक फ़ायदा उठाने पर क्या होगा?

A)उन्हें दुख होगा।

B)वे पछताएंगे।

C)वे हमारे शत्रु बन जाएंगे।

D)हमारी सहायता नहीं करेंगे।

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। वह अकेला नहीं रह सकता। समाज में वह अनेक प्रकार के संबंध बनाता है। इन्हीं में एक संबंध होता है पड़ोसी का। पड़ोसी वे हैं जो हमारे घरों के आस-पास रहते हैं। पड़ोसी ही हमारे सबसे पहले सुख-दुख के साथी होते हैं। कोई भी समय हो, हमारे सगे-संबन्धी तो बाद में पहुँचेंगे, सबसे पहले पास-पड़ोस के लोग ही हमारे साथ खड़े दिखाई देंगे। एक अच्छा पड़ोसी समय पड़ने पर उचित सलाह देकर हमारा मार्गदर्शन करता है और यथासंभव मदद भी करता है। यदि पड़ोसी अच्छा मिल जाए तो जीवन स्वर्ग बन जाता है। पड़ोसी अच्छा न हो तो राम भरोसे ही जीवन कटता है। बुरे पड़ोसी से बचने के लिए रोज-रोज मकान तो बदला नहीं जा सकता। फिर क्या गारंटी है कि नई जगह पर नया पड़ोसी अच्छा ही होगा। कहीं वह पहलेवाले से भी सवा सेर मिल गया तो फिर भगवान ही बचाए। पड़ोसी के साथ व्यवहार में बहुत सावधानी बरतनी पडती है, बातचीत में व्यवहार में संतुलित रहना पडता है। एक अच्छे पड़ोसी की अच्छाई का इतना फ़ायदा नहीं उठाना चाहिए कि कुछ समय बाद वही हमारा शत्रु दिखने लगे।

अच्छे पड़ोसी की अच्छाई से अधिक फ़ायदा उठाने पर क्या होगा?

A)उन्हें दुख होगा।

B)वे पछताएंगे।

C)वे हमारे शत्रु बन जाएंगे।

D)हमारी सहायता नहीं करेंगे।

Answer Key : C

Question No. 75

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। वह अकेला नहीं रह सकता। समाज में वह अनेक प्रकार के संबंध बनाता है। इन्हीं में एक संबंध होता है पड़ोसी का। पड़ोसी वे हैं जो हमारे घरों के आस-पास रहते हैं। पड़ोसी ही हमारे सबसे पहले सुख-दुख के साथी होते हैं। कोई भी समय हो, हमारे सगे-संबन्धी तो बाद में पहुँचेंगे, सबसे पहले पास-पड़ोस के लोग ही हमारे साथ खड़े दिखाई देंगे। एक अच्छा पड़ोसी समय पड़ने पर उचित सलाह देकर हमारा मार्गदर्शन करता है और यथासंभव मदद भी करता है। यदि पड़ोसी अच्छा मिल जाए तो जीवन स्वर्ग बन जाता है। पड़ोसी अच्छा न हो तो राम भरोसे ही जीवन कटता है। बुरे पड़ोसी से बचने के लिए रोज-रोज मकान तो बदला नहीं जा सकता। फिर क्या गारंटी है कि नई जगह पर नया पड़ोसी अच्छा ही होगा। कहीं वह पहलेवाले से भी सवा सेर मिल गया तो फिर भगवान ही बचाए। पड़ोसी के साथ व्यवहार में बहुत सावधानी बरतनी पडती है, बातचीत में व्यवहार में संतुलित रहना पडता है। एक अच्छे पड़ोसी की अच्छाई का इतना फ़ायदा नहीं उठाना चाहिए कि कुछ समय बाद वही हमारा शत्रु दिखने लगे।

इस अनुच्छेद का एक उचित शीर्षक चुनिए ।

A)पड़ोसी

B)अच्छे पड़ोसी

C)बुरे पड़ोसी

D)अच्छे पड़ोसी का महत्व

Teachingninja.in

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। वह अकेला नहीं रह सकता। समाज में वह अनेक प्रकार के संबंध बनाता है। इन्हीं में एक संबंध होता है पड़ोसी का। पड़ोसी वे हैं जो हमारे घरों के आस-पास रहते हैं। पड़ोसी ही हमारे सबसे पहले सुख-दुख के साथी होते हैं। कोई भी समय हो, हमारे सगे-संबन्धी तो बाद में पहुँचेंगे, सबसे पहले पास-पड़ोस के लोग ही हमारे साथ खड़े दिखाई देंगे। एक अच्छा पड़ोसी समय पड़ने पर उचित सलाह देकर हमारा मार्गदर्शन करता है और यथासंभव मदद भी करता है। यदि पड़ोसी अच्छा मिल जाए तो जीवन स्वर्ग बन जाता है। पड़ोसी अच्छा न हो तो राम भरोसे ही जीवन कटता है। बुरे पड़ोसी से बचने के लिए रोज-रोज मकान तो बदला नहीं जा सकता। फिर क्या गारंटी है कि नई जगह पर नया पड़ोसी अच्छा ही होगा। कहीं वह पहलेवाले से भी सवा सेर मिल गया तो फिर भगवान ही बचाए। पड़ोसी के साथ व्यवहार में बहुत सावधानी बरतनी पडती है, बातचीत में व्यवहार में संतुलित रहना पडता है। एक अच्छे पड़ोसी की अच्छाई का इतना फ़ायदा नहीं उठाना चाहिए कि कुछ समय बाद वही हमारा शत्रु दिखने लगे।

इस अनुच्छेद का एक उचित शीर्षक चुनिए ।

A)पड़ोसी

B)अच्छे पड़ोसी

C)बुरे पड़ोसी

D)अच्छे पड़ोसी का महत्व

Answer Key : D

Question No. 76

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।

आज चारों ओर भौतिकता का बोलबाला है। जिधर देखिए उधर स्वार्थ, प्रदर्शन-प्रियता तथा छल-कपट का साम्राज्य है। समाज में नैतिक मूल्यों का ह्रास होता जा रहा है। धन का मूल्य इतना बढ़ गया है कि यह कथन उपयुक्त लगता है — "बाप बड़ा न भैया, सबसे बड़ा रुपैया"। धन के महत्व को नकारा नहीं जा सकता क्योंकि धन के अभाव में जीवन-यापन करना असंभव है परन्तु केवल धन को ही मानवीय प्रतिष्ठा का आधार नहीं माना जा सकता है। कुछ वस्तुएँ ऐसी हैं जिसे धन से खरीदा नहीं जा सकता, जैसे मन की शान्ति, अच्छे विचार, उज्ज्वल चरित्र एवं व्यवहार कुशलता आदि। अनेक महापुरुषों का जीवन इस बात का प्रमाण है कि जीवन का उद्देश्य केवल धनोपार्जन करना ही नहीं है। संसार के अनेक महापुरुष ऐसे थे जिनके पास धन का नितांत अभाव था। परन्तु आज भी उनकी प्रतिष्ठा क़ायम है। आज भी उन्हें आदर के साथ याद किया जाता है और उनकी महानता के आगे मस्तक श्रद्धा से झुक जाता है। धन के लालच में आधुनिक युवा, विदेशों में काम करने चले जाते हैं। बूढ़े माता-पिता को भारत में किसी आश्रम में छोड़ देते हैं। पहले कुछ दिनों तक पैसे भेजते हैं पर धीरे-धीरे वह भी रुक जाता है। 2 या 3 साल में एक बार आकर उनसे मिल लेते हैं। कभी-कभी तो माता या पिता की मृत्यु पर भी नहीं आते। युवा पीढ़ी को जीवन मूल्यों को समझना चाहिए और अपना कर्तव्य निभाना चाहिए। धन का लालच मानवीय मूल्यों को नष्ट कर देता है।

भौतिकता का अर्थ क्या है?

A)स्वार्थ

B)छल-कपट

C)प्रदर्शन-प्रियता

D)विकल्पों में से सभी

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।

आज चारों ओर भौतिकता का बोलबाला है। जिधर देखिए उधर स्वार्थ, प्रदर्शन-प्रियता तथा छल-कपट का साम्राज्य है। समाज में नैतिक मूल्यों का ह्रास होता जा रहा है। धन का मूल्य इतना बढ़ गया है कि यह कथन उपयुक्त लगता है – "बाप बड़ा न भैया, सबसे बड़ा रुपैया"। धन के महत्व को नकारा नहीं जा सकता क्योंकि धन के अभाव में जीवन-यापन करना असंभव है परन्तु केवल धन को ही मानवीय प्रतिष्ठा का आधार नहीं माना जा सकता है। कुछ वस्तुएँ ऐसी हैं जिसे धन से खरीदा नहीं जा सकता, जैसे मन की शान्ति, अच्छे विचार, उज्ज्वल चरित्र एवं व्यवहार कुशलता आदि। अनेक महापुरुषों का जीवन इस बात का प्रमाण है कि जीवन का उद्देश्य केवल धनोपार्जन करना ही नहीं है। संसार के अनेक महापुरुष ऐसे थे जिनके पास धन का नितांत अभाव था। परन्तु आज भी उनकी प्रतिष्ठा क़ायम है। आज भी उन्हें आदर के साथ याद किया जाता है और उनकी महानता के आगे मस्तक श्रद्धा से झुक जाता है। धन के लालच में आधुनिक युवा, विदेशों में काम करने चले जाते हैं। बूढ़े माता-पिता को भारत में किसी आश्रम में छोड़ देते हैं। पहले कुछ दिनों तक पैसे भेजते हैं पर धीरे-धीरे वह भी रुक जाता है। 2 या 3 साल में एक बार आकर उनसे मिल लेते हैं। कभी-कभी तो माता या पिता की मृत्यु पर भी नहीं आते। युवा पीढ़ी को जीवन मूल्यों को समझना चाहिए और अपना कर्तव्य निभाना चाहिए। धन का लालच मानवीय मूल्यों को नष्ट कर देता है।

भौतिकता का अर्थ क्या है?

A)स्वार्थ

B)छल-कपट

C)प्रदर्शन-प्रियता

D)विकल्पों में से सभी

Teachingninja.in

Answer Key : D

Question No. 77

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।

आज चारों ओर भौतिकता का बोलबाला है। जिधर देखिए उधर स्वार्थ, प्रदर्शन-प्रियता तथा छल-कपट का साम्राज्य है। समाज में नैतिक मूल्यों का ह्रास होता जा रहा है। धन का मूल्य इतना बढ़ गया है कि यह कथन उपयुक्त लगता है — "बाप बड़ा न भैया, सबसे बड़ा रुपैया"। धन के महत्व को नकारा नहीं जा सकता क्योंकि धन के अभाव में जीवन-यापन करना असंभव है परन्तु केवल धन को ही मानवीय प्रतिष्ठा का आधार नहीं माना जा सकता है। कुछ वस्तुएँ ऐसी हैं जिसे धन से खरीदा नहीं जा सकता, जैसे मन की शान्ति, अच्छे विचार, उज्ज्वल चरित्र एवं व्यवहार कुशलता आदि। अनेक महापुरुषों का जीवन इस बात का प्रमाण है कि जीवन का उद्देश्य केवल धनोपार्जन करना ही नहीं है। संसार के अनेक महापुरुष ऐसे थे जिनके पास धन का नितांत अभाव था। परन्तु आज भी उनकी प्रतिष्ठा क़ायम है। आज भी उन्हें आदर के साथ याद किया जाता है और उनकी महानता के आगे मस्तक श्रद्धा से झुक जाता है। धन के लालच में आधुनिक युवा, विदेशों में काम करने चले जाते हैं। बूढ़े माता-पिता को भारत में किसी आश्रम में छोड़ देते हैं। पहले कुछ दिनों तक पैसे भेजते हैं पर धीरे-धीरे वह भी रुक जाता है। 2 या 3 साल में एक बार आकर उनसे मिल लेते हैं। कभी-कभी तो माता या पिता की मृत्यु पर भी नहीं आते। युवा पीढ़ी को जीवन मूल्यों को समझना चाहिए और अपना कर्तव्य निभाना चाहिए। धन का लालच मानवीय मूल्यों को नष्ट कर देता है।

मानवीय प्रतिष्ठा का आधार क्या है?

A)धन, यश

B)यश, दिखावा

C)शान्ति, उज्ज्वल चरित्र, और व्यवहार कुशलता

D)दिखावा, धन, और यश

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।

आज चारों ओर भौतिकता का बोलबाला है। जिधर देखिए उधर स्वार्थ, प्रदर्शन-प्रियता तथा छल-कपट का साम्राज्य है। समाज में नैतिक मूल्यों का ह्रास होता जा रहा है। धन का मूल्य इतना बढ़ गया है कि यह कथन उपयुक्त लगता है – "बाप बड़ा न भैया, सबसे बड़ा रुपैया"। धन के महत्व को नकारा नहीं जा सकता क्योंकि धन के अभाव में जीवन-यापन करना असंभव है परन्तु केवल धन को ही मानवीय प्रतिष्ठा का आधार नहीं माना जा सकता है। कुछ वस्तुएँ ऐसी हैं जिसे धन से खरीदा नहीं जा सकता, जैसे मन की शान्ति, अच्छे विचार, उज्ज्वल चरित्र एवं व्यवहार कुशलता आदि। अनेक महापुरुषों का जीवन इस बात का प्रमाण है कि जीवन का उद्देश्य केवल धनोपार्जन करना ही नहीं है। संसार के अनेक महापुरुष ऐसे थे जिनके पास धन का नितांत अभाव था। परन्तु आज भी उनकी प्रतिष्ठा क़ायम है। आज भी उन्हें आदर के साथ याद किया जाता है और उनकी महानता के आगे मस्तक श्रद्धा से झुक जाता है। धन के लालच में आधुनिक युवा, विदेशों में काम करने चले जाते हैं। बूढ़े माता-पिता को भारत में किसी आश्रम में छोड़ देते हैं। पहले कुछ दिनों तक पैसे भेजते हैं पर धीरे-धीरे वह भी रुक जाता है। 2 या 3 साल में एक बार आकर उनसे मिल लेते हैं। कभी-कभी तो माता या पिता की मृत्यु पर भी नहीं आते। युवा पीढ़ी को जीवन मूल्यों को समझना चाहिए और अपना कर्तव्य निभाना चाहिए। धन का लालच मानवीय मूल्यों को नष्ट कर देता है।

मानवीय प्रतिष्ठा का आधार क्या है?

A)धन, यश

B)यश, दिखावा

C)शान्ति, उज्ज्वल चरित्र, और व्यवहार कुशलता

D)दिखावा, धन, और यश

Answer Key : C

Question No. 78

Teachingninja.in

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।

आज चारों ओर भौतिकता का बोलबाला है। जिधर देखिए उधर स्वार्थ, प्रदर्शन-प्रियता तथा छल-कपट का साम्राज्य है। समाज में नैतिक मूल्यों का ह्रास होता जा रहा है। धन का मूल्य इतना बढ़ गया है कि यह कथन उपयुक्त लगता है — "बाप बड़ा न भैया, सबसे बड़ा रुपैया"। धन के महत्व को नकारा नहीं जा सकता क्योंकि धन के अभाव में जीवन-यापन करना असंभव है परन्तु केवल धन को ही मानवीय प्रतिष्ठा का आधार नहीं माना जा सकता है। कुछ वस्तुएँ ऐसी हैं जिसे धन से खरीदा नहीं जा सकता, जैसे मन की शान्ति, अच्छे विचार, उज्ज्वल चरित्र एवं व्यवहार कुशलता आदि। अनेक महापुरुषों का जीवन इस बात का प्रमाण है कि जीवन का उद्देश्य केवल धनोपार्जन करना ही नहीं है। संसार के अनेक महापुरुष ऐसे थे जिनके पास धन का नितांत अभाव था। परन्तु आज भी उनकी प्रतिष्ठा क़ायम है। आज भी उन्हें आदर के साथ याद किया जाता है और उनकी महानता के आगे मस्तक श्रद्धा से झुक जाता है। धन के लालच में आधुनिक युवा, विदेशों में काम करने चले जाते हैं। बूढ़े माता-पिता को भारत में किसी आश्रम में छोड़ देते हैं। पहले कुछ दिनों तक पैसे भेजते हैं पर धीरे-धीरे वह भी रुक जाता है। 2 या 3 साल में एक बार आकर उनसे मिल लेते हैं। कभी-कभी तो माता या पिता की मृत्यु पर भी नहीं आते। युवा पीढ़ी को जीवन मूल्यों को समझना चाहिए और अपना कर्तव्य निभाना चाहिए। धन का लालच मानवीय मूल्यों को नष्ट कर देता है।

महापुरुषों का जीवन हमें क्या सिखाता है?

A)अच्छे विचार

B)सरल जीवन

C)मानवता

D)विकल्पों में से सभी

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।

आज चारों ओर भौतिकता का बोलबाला है। जिधर देखिए उधर स्वार्थ, प्रदर्शन-प्रियता तथा छल-कपट का साम्राज्य है। समाज में नैतिक मूल्यों का ह्रास होता जा रहा है। धन का मूल्य इतना बढ़ गया है कि यह कथन उपयुक्त लगता है — "बाप बड़ा न भैया, सबसे बड़ा रुपैया"। धन के महत्व को नकारा नहीं जा सकता क्योंकि धन के अभाव में जीवन-यापन करना असंभव है परन्तु केवल धन को ही मानवीय प्रतिष्ठा का आधार नहीं माना जा सकता है। कुछ वस्तुएँ ऐसी हैं जिसे धन से खरीदा नहीं जा सकता, जैसे मन की शान्ति, अच्छे विचार, उज्ज्वल चरित्र एवं व्यवहार कुशलता आदि। अनेक महापुरुषों का जीवन इस बात का प्रमाण है कि जीवन का उद्देश्य केवल धनोपार्जन करना ही नहीं है। संसार के अनेक महापुरुष ऐसे थे जिनके पास धन का नितांत अभाव था। परन्तु आज भी उनकी प्रतिष्ठा क़ायम है। आज भी उन्हें आदर के साथ याद किया जाता है और उनकी महानता के आगे मस्तक श्रद्धा से झुक जाता है। धन के लालच में आधुनिक युवा, विदेशों में काम करने चले जाते हैं। बूढ़े माता-पिता को भारत में किसी आश्रम में छोड़ देते हैं। पहले कुछ दिनों तक पैसे भेजते हैं पर धीरे-धीरे वह भी रुक जाता है। 2 या 3 साल में एक बार आकर उनसे मिल लेते हैं। कभी-कभी तो माता या पिता की मृत्यु पर भी नहीं आते। युवा पीढ़ी को जीवन मूल्यों को समझना चाहिए और अपना कर्तव्य निभाना चाहिए। धन का लालच मानवीय मूल्यों को नष्ट कर देता है।

महापुरुषों का जीवन हमें क्या सिखाता है?

A)अच्छे विचार

B)सरल जीवन

C)मानवता

D)विकल्पों में से सभी

Answer Key : D

Question No. 79

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।

आज चारों ओर भौतिकता का बोलबाला है। जिधर देखिए उधर स्वार्थ, प्रदर्शन-प्रियता तथा छल-कपट का साम्राज्य है। समाज में नैतिक मूल्यों का ह्रास होता जा रहा है। धन का मूल्य इतना बढ़ गया है कि यह कथन उपयुक्त लगता है — "बाप बड़ा न भैया, सबसे बड़ा रुपैया"। धन के महत्व को नकारा नहीं जा सकता क्योंकि धन के अभाव में जीवन-यापन करना असंभव है परन्तु केवल धन को ही मानवीय प्रतिष्ठा का आधार नहीं माना जा सकता है। कुछ वस्तुएँ ऐसी हैं जिसे धन से खरीदा नहीं जा सकता, जैसे मन की शान्ति, अच्छे विचार, उज्ज्वल चरित्र एवं व्यवहार कुशलता आदि। अनेक महापुरुषों का जीवन इस बात का प्रमाण है कि जीवन का उद्देश्य केवल धनोपार्जन करना ही नहीं है। संसार के अनेक महापुरुष ऐसे थे जिनके पास धन का नितांत अभाव था। परन्तु आज भी उनकी प्रतिष्ठा क़ायम है। आज भी उन्हें आदर के साथ याद किया जाता है और उनकी महानता के आगे मस्तक श्रद्धा से झुक जाता है। धन के लालच में आधुनिक युवा, विदेशों में काम करने चले जाते हैं। बूढ़े माता-पिता को भारत में किसी आश्रम में छोड़ देते हैं। पहले कुछ दिनों तक पैसे भेजते हैं पर धीरे-धीरे वह भी रुक जाता है। 2 या 3 साल में एक बार आकर उनसे मिल लेते हैं। कभी-कभी तो माता या पिता की मृत्यु पर भी नहीं आते। युवा पीढ़ी को जीवन मूल्यों को समझना चाहिए और अपना कर्तव्य निभाना चाहिए। धन का लालच मानवीय मूल्यों को नष्ट कर देता है।

आजकल के युवा काम की खोज में विदेश क्यों जाते है?

Teachingninja.in

A)धन कमाने के लिए
B)सुखी जीवन के लिए
C)विलासिता पूर्ण जीवन के लिए
D)विकल्पों में से सभी

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।
आज चारों ओर भौतिकता का बोलबाला है। जिधर देखिए उधर स्वार्थ, प्रदर्शन-प्रियता तथा छल-कपट का साम्राज्य है। समाज में नैतिक मूल्यों का ह्रास होता जा रहा है। धन का मूल्य इतना बढ़ गया है कि यह कथन उपयुक्त लगता है – "बाप बड़ा न भैया, सबसे बड़ा रुपैया"। धन के महत्व को नकारा नहीं जा सकता क्योंकि धन के अभाव में जीवन-यापन करना असंभव है परन्तु केवल धन को ही मानवीय प्रतिष्ठा का आधार नहीं माना जा सकता है। कुछ वस्तुएँ ऐसी हैं जिसे धन से खरीदा नहीं जा सकता, जैसे मन की शान्ति, अच्छे विचार, उज्ज्वल चरित्र एवं व्यवहार कुशलता आदि। अनेक महापुरुषों का जीवन इस बात का प्रमाण है कि जीवन का उद्देश्य केवल धनोपार्जन करना ही नहीं है। संसार के अनेक महापुरुष ऐसे थे जिनके पास धन का नितांत अभाव था। परन्तु आज भी उनकी प्रतिष्ठा क़ायम है। आज भी उन्हें आदर के साथ याद किया जाता है और उनकी महानता के आगे मस्तक श्रद्धा से झुक जाता है। धन के लालच में आधुनिक युवा, विदेशों में काम करने चले जाते हैं। बूढ़े माता-पिता को भारत में किसी आश्रम में छोड़ देते हैं। पहले कुछ दिनों तक पैसे भेजते हैं पर धीरे-धीरे वह भी रुक जाता है। 2 या 3 साल में एक बार आकर उनसे मिल लेते हैं। कभी-कभी तो माता या पिता की मृत्यु पर भी नहीं आते। युवा पीढ़ी को जीवन मूल्यों को समझना चाहिए और अपना कर्तव्य निभाना चाहिए। धन का लालच मानवीय मूल्यों को नष्ट कर देता है।
आजकल के युवा काम की खोज में विदेश क्यों जाते है?
A)धन कमाने के लिए
B)सुखी जीवन के लिए
C)विलासिता पूर्ण जीवन के लिए
D)विकल्पों में से सभी
Answer Key : D

Question No. 80

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।
आज चारों ओर भौतिकता का बोलबाला है। जिधर देखिए उधर स्वार्थ, प्रदर्शन-प्रियता तथा छल-कपट का साम्राज्य है। समाज में नैतिक मूल्यों का ह्रास होता जा रहा है। धन का मूल्य इतना बढ़ गया है कि यह कथन उपयुक्त लगता है — "बाप बड़ा न भैया, सबसे बड़ा रुपैया"। धन के महत्व को नकारा नहीं जा सकता क्योंकि धन के अभाव में जीवन-यापन करना असंभव है परन्तु केवल धन को ही मानवीय प्रतिष्ठा का आधार नहीं माना जा सकता है। कुछ वस्तुएँ ऐसी हैं जिसे धन से खरीदा नहीं जा सकता, जैसे मन की शान्ति, अच्छे विचार, उज्ज्वल चरित्र एवं व्यवहार कुशलता आदि। अनेक महापुरुषों का जीवन इस बात का प्रमाण है कि जीवन का उद्देश्य केवल धनोपार्जन करना ही नहीं है। संसार के अनेक महापुरुष ऐसे थे जिनके पास धन का नितांत अभाव था। परन्तु आज भी उनकी प्रतिष्ठा क़ायम है। आज भी उन्हें आदर के साथ याद किया जाता है और उनकी महानता के आगे मस्तक श्रद्धा से झुक जाता है। धन के लालच में आधुनिक युवा, विदेशों में काम करने चले जाते हैं। बूढ़े माता-पिता को भारत में किसी आश्रम में छोड़ देते हैं। पहले कुछ दिनों तक पैसे भेजते हैं पर धीरे-धीरे वह भी रुक जाता है। 2 या 3 साल में एक बार आकर उनसे मिल लेते हैं। कभी-कभी तो माता या पिता की मृत्यु पर भी नहीं आते। युवा पीढ़ी को जीवन मूल्यों को समझना चाहिए और अपना कर्तव्य निभाना चाहिए। धन का लालच मानवीय मूल्यों को नष्ट कर देता है।
इस अनुच्छेद का एक उचित शीर्षक चुनिए।
A)धन
B)धन का महत्व
C)धन की आवश्यकता
D)धन और मानवीय मूल्य

Teachingninja.in

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।

आज चारों ओर भौतिकता का बोलबाला है। जिधर देखिए उधर स्वार्थ, प्रदर्शन-प्रियता तथा छल-कपट का साम्राज्य है। समाज में नैतिक मूल्यों का ह्रास होता जा रहा है। धन का मूल्य इतना बढ़ गया है कि यह कथन उपयुक्त लगता है – "बाप बड़ा न भैया, सबसे बड़ा रुपैया"। धन के महत्व को नकारा नहीं जा सकता क्योंकि धन के अभाव में जीवन-यापन करना असंभव है परन्तु केवल धन को ही मानवीय प्रतिष्ठा का आधार नहीं माना जा सकता है। कुछ वस्तुएँ ऐसी हैं जिसे धन से खरीदा नहीं जा सकता, जैसे मन की शान्ति, अच्छे विचार, उज्ज्वल चरित्र एवं व्यवहार कुशलता आदि। अनेक महापुरुषों का जीवन इस बात का प्रमाण है कि जीवन का उद्देश्य केवल धनोपार्जन करना ही नहीं है। संसार के अनेक महापुरुष ऐसे थे जिनके पास धन का नितांत अभाव था। परन्तु आज भी उनकी प्रतिष्ठा क़ायम है। आज भी उन्हें आदर के साथ याद किया जाता है और उनकी महानता के आगे मस्तक श्रद्धा से झुक जाता है। धन के लालच में आधुनिक युवा, विदेशों में काम करने चले जाते हैं। बूढ़े माता-पिता को भारत में किसी आश्रम में छोड़ देते हैं। पहले कुछ दिनों तक पैसे भेजते हैं पर धीरे-धीरे वह भी रुक जाता है। 2 या 3 साल में एक बार आकर उनसे मिल लेते हैं। कभी-कभी तो माता या पिता की मृत्यु पर भी नहीं आते। युवा पीढ़ी को जीवन मूल्यों को समझना चाहिए और अपना कर्तव्य निभाना चाहिए। धन का लालच मानवीय मूल्यों को नष्ट कर देता है।

इस अनुच्छेद का एक उचित शीर्षक चुनिए।

A)धन

B)धन का महत्व

C)धन की आवश्यकता

D)धन और मानवीय मूल्य

Answer Key : D

Question No. 81

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।

आज का युग वास्तव में विज्ञापन का युग बन चुका है। सुई से लेकर जहाज तक जितने भी प्रमुख उत्पाद हैं, उनके निर्माण के पूर्व ही उनके बारे में विज्ञापन आने लगते हैं। धर्म, समाज, अर्थव्यवस्था, चिकित्सा, योग, व्यायाम, खेल, उत्सव-समारोह, राजनीति आदि सभी क्षेत्रों से संबंधित विज्ञापन प्रतिध्वनित या लाइव रूप से सुने और देखे जाते हैं। दूरदर्शन, समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ आदि इन विज्ञापनों के प्रमुख माध्यम हैं। इसके अतिरिक्त दीवारों पर ऊँचे विशाल पटों पर, सार्वजनिक वाहनों पर और यहाँ तक कि पेड़-पौधों पर भी विज्ञापन चिपकाए हुए दिखाई देते हैं। आज के वैज्ञानिक और औद्योगिक युग में विज्ञापन को आवश्यक माना जाने लगा है। इनका दोहरा महत्व व दोहरी उपयोगिता मानी जाती है। वे उपभोक्ता और उत्पादकों दोनों को लाभान्वित करते हैं। विज्ञापन के माध्यम से, निर्माता अपने विशिष्ट उत्पाद के बारे में बढ़ा-चढ़ा कर जानकारी देकर उपभोक्ताओं को लुभाना चाहते हैं। अतः उत्पादकों तथा उत्पाद के प्रचार-प्रसार के कारण इनके बिक्री में वृद्धि होती है। विज्ञापन की मूल भावना सकारात्मक होता है परन्तु इसका नकारात्मक पहलू अधिक चिंताजनक होता है। विज्ञापन पर खर्च होने वाला अपार धन मूलतः उपभोक्ताओं को ही दामों के वृद्धि के रूप में चुकाना पड़ता है। विज्ञापन से प्रभावित होकर लोग उस उत्पाद को खरीद भी लेते हैं। इस प्रकार विज्ञापनों ने हमारे दैनिक जीवन को प्रभावित कर डाला है।

विज्ञापन का प्रधान उद्देश्य क्या है?

A)उत्पाद की बिक्री को बढ़ाना

B)वस्तुओं की जानकारी देना

C)वस्तुओं की उपयोगिता बताना

D)विकल्पों में से सभी

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।

आज का युग वास्तव में विज्ञापन का युग बन चुका है। सुई से लेकर जहाज तक जितने भी प्रमुख उत्पाद हैं, उनके निर्माण के पूर्व ही उनके बारे में विज्ञापन आने लगते हैं। धर्म, समाज, अर्थव्यवस्था, चिकित्सा, योग, व्यायाम, खेल, उत्सव-समारोह, राजनीति आदि सभी क्षेत्रों से संबंधित विज्ञापन प्रतिध्वनित या लाइव रूप से सुने और देखे जाते हैं। दूरदर्शन, समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ आदि इन विज्ञापनों के प्रमुख माध्यम हैं। इसके अतिरिक्त दीवारों पर ऊँचे विशाल पटों पर, सार्वजनिक वाहनों पर और यहाँ तक कि पेड़-पौधों पर भी विज्ञापन चिपकाए हुए दिखाई देते हैं। आज के वैज्ञानिक और औद्योगिक युग में विज्ञापन को आवश्यक माना जाने लगा है। इनका दोहरा महत्व व दोहरी उपयोगिता मानी जाती है। वे उपभोक्ता और उत्पादकों दोनों को लाभान्वित करते हैं। विज्ञापन के माध्यम से, निर्माता अपने विशिष्ट उत्पाद के बारे में बढ़ा-चढ़ा कर जानकारी देकर उपभोक्ताओं को लुभाना चाहते हैं। अतः उत्पादकों तथा उत्पाद के प्रचार-प्रसार के कारण इनके बिक्री में वृद्धि होती है। विज्ञापन की मूल भावना सकारात्मक होता है परन्तु इसका नकारात्मक पहलू अधिक चिंताजनक होता है। विज्ञापन पर खर्च होने वाला अपार धन मूलतः उपभोक्ताओं को ही दामों के वृद्धि के रूप में चुकाना पड़ता है। विज्ञापन से प्रभावित होकर लोग उस उत्पाद को खरीद भी लेते हैं। इस प्रकार विज्ञापनों ने हमारे दैनिक जीवन को प्रभावित कर डाला है।

विज्ञापन का प्रधान उद्देश्य क्या है?

Teachingninja.in

A)उत्पाद की बिक्री को बढ़ाना
B)वस्तुओं की जानकारी देना
C)वस्तुओं की उपयोगिता बताना
D)विकल्पों में से सभी
Answer Key : D

Question No. 82

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।
आज का युग वास्तव में विज्ञापन का युग बन चुका है। सुई से लेकर जहाज तक जितने भी प्रमुख उत्पाद हैं, उनके निर्माण के पूर्व ही उनके बारे में विज्ञापन आने लगते हैं। धर्म, समाज, अर्थव्यवस्था, चिकित्सा, योग, व्यायाम, खेल, उत्सव-समारोह, राजनीति आदि सभी क्षेत्रों से संबंधित विज्ञापन प्रतिध्वनित या लाइव रूप से सुने और देखे जाते हैं। दूरदर्शन, समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ आदि इन विज्ञापनों के प्रमुख माध्यम हैं। इसके अतिरिक्त दीवारों पर ऊँचे विशाल पटों पर, सार्वजनिक वाहनों पर और यहाँ तक कि पेड़-पौधों पर भी विज्ञापन चिपकाए हुए दिखाई देते हैं। आज के वैज्ञानिक और औद्योगिक युग में विज्ञापन को आवश्यक माना जाने लगा है। इनका दोहरा महत्व व दोहरी उपयोगिता मानी जाती है। वे उपभोक्ता और उत्पादकों दोनों को लाभान्वित करते हैं। विज्ञापन के माध्यम से, निर्माता अपने विशिष्ट उत्पाद के बारे में बढ़ा-चढ़ा कर जानकारी देकर उपभोक्ताओं को लुभाना चाहते हैं। अतः उत्पादकों तथा उत्पाद के प्रचार-प्रसार के कारण इनके बिक्री में वृद्धि होती है। विज्ञापन की मूल भावना सकारात्मक होता है परन्तु इसका नकारात्मक पहलू अधिक चिंताजनक होता है। विज्ञापन पर खर्च होने वाला अपार धन मूलतः उपभोक्ताओं को ही दामों के वृद्धि के रूप में चुकाना पड़ता है। विज्ञापन से प्रभावित होकर लोग उस उत्पाद को खरीद भी लेते हैं। इस प्रकार विज्ञापनों ने हमारे दैनिक जीवन को प्रभावित कर डाला है।
किन-किन चीजों का विज्ञापन दिया जाता है?
A)धार्मिक, सामाजिक, आर्थिक विषय
B)चिकित्सा, खेल, व्यायाम, योग
C)उत्सव-समारोह, राजनीति
D)विकल्पों में से सभी

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।
आज का युग वास्तव में विज्ञापन का युग बन चुका है। सुई से लेकर जहाज तक जितने भी प्रमुख उत्पाद हैं, उनके निर्माण के पूर्व ही उनके बारे में विज्ञापन आने लगते हैं। धर्म, समाज, अर्थव्यवस्था, चिकित्सा, योग, व्यायाम, खेल, उत्सव-समारोह, राजनीति आदि सभी क्षेत्रों से संबंधित विज्ञापन प्रतिध्वनित या लाइव रूप से सुने और देखे जाते हैं। दूरदर्शन, समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ आदि इन विज्ञापनों के प्रमुख माध्यम हैं। इसके अतिरिक्त दीवारों पर ऊँचे विशाल पटों पर, सार्वजनिक वाहनों पर और यहाँ तक कि पेड़-पौधों पर भी विज्ञापन चिपकाए हुए दिखाई देते हैं। आज के वैज्ञानिक और औद्योगिक युग में विज्ञापन को आवश्यक माना जाने लगा है। इनका दोहरा महत्व व दोहरी उपयोगिता मानी जाती है। वे उपभोक्ता और उत्पादकों दोनों को लाभान्वित करते हैं। विज्ञापन के माध्यम से, निर्माता अपने विशिष्ट उत्पाद के बारे में बढ़ा-चढ़ा कर जानकारी देकर उपभोक्ताओं को लुभाना चाहते हैं। अतः उत्पादकों तथा उत्पाद के प्रचार-प्रसार के कारण इनके बिक्री में वृद्धि होती है। विज्ञापन की मूल भावना सकारात्मक होता है परन्तु इसका नकारात्मक पहलू अधिक चिंताजनक होता है। विज्ञापन पर खर्च होने वाला अपार धन मूलतः उपभोक्ताओं को ही दामों के वृद्धि के रूप में चुकाना पड़ता है। विज्ञापन से प्रभावित होकर लोग उस उत्पाद को खरीद भी लेते हैं। इस प्रकार विज्ञापनों ने हमारे दैनिक जीवन को प्रभावित कर डाला है।
किन-किन चीजों का विज्ञापन दिया जाता है?
A)धार्मिक, सामाजिक, आर्थिक विषय
B)चिकित्सा, खेल, व्यायाम, योग
C)उत्सव-समारोह, राजनीति
D)विकल्पों में से सभी
Answer Key : D

Question No. 83

Teachingninja.in

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।

आज का युग वास्तव में विज्ञापन का युग बन चुका है। सुई से लेकर जहाज तक जितने भी प्रमुख उत्पाद हैं, उनके निर्माण के पूर्व ही उनके बारे में विज्ञापन आने लगते हैं। धर्म, समाज, अर्थव्यवस्था, चिकित्सा, योग, व्यायाम, खेल, उत्सव-समारोह, राजनीति आदि सभी क्षेत्रों से संबंधित विज्ञापन प्रतिध्वनित या लाइव रूप से सुने और देखे जाते हैं। दूरदर्शन, समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ आदि इन विज्ञापनों के प्रमुख माध्यम हैं। इसके अतिरिक्त दीवारों पर ऊँचे विशाल पटों पर, सार्वजनिक वाहनों पर और यहाँ तक कि पेड़-पौधों पर भी विज्ञापन चिपकाए हुए दिखाई देते हैं। आज के वैज्ञानिक और औद्योगिक युग में विज्ञापन को आवश्यक माना जाने लगा है। इनका दोहरा महत्व व दोहरी उपयोगिता मानी जाती है। वे उपभोक्ता और उत्पादकों दोनों को लाभान्वित करते हैं। विज्ञापन के माध्यम से, निर्माता अपने विशिष्ट उत्पाद के बारे में बढ़ा-चढ़ा कर जानकारी देकर उपभोक्ताओं को लुभाना चाहते हैं। अतः उत्पादकों तथा उत्पाद के प्रचार-प्रसार के कारण इनके बिक्री में वृद्धि होती है। विज्ञापन की मूल भावना सकारात्मक होता है परन्तु इसका नकारात्मक पहलू अधिक चिंताजनक होता है। विज्ञापन पर खर्च होने वाला अपार धन मूलतः उपभोक्ताओं को ही दामों के वृद्धि के रूप में चुकाना पड़ता है। विज्ञापन से प्रभावित होकर लोग उस उत्पाद को खरीद भी लेते हैं। इस प्रकार विज्ञापनों ने हमारे दैनिक जीवन को प्रभावित कर डाला है।

विज्ञापन से किनको सबसे ज्यादा लाभ होता है?

A)उत्पादक को
B)व्यापारी को
C)विक्रेता और सामान्य जनता को
D)विकल्पों में से सभी

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।

आज का युग वास्तव में विज्ञापन का युग बन चुका है। सुई से लेकर जहाज तक जितने भी प्रमुख उत्पाद हैं, उनके निर्माण के पूर्व ही उनके बारे में विज्ञापन आने लगते हैं। धर्म, समाज, अर्थव्यवस्था, चिकित्सा, योग, व्यायाम, खेल, उत्सव-समारोह, राजनीति आदि सभी क्षेत्रों से संबंधित विज्ञापन प्रतिध्वनित या लाइव रूप से सुने और देखे जाते हैं। दूरदर्शन, समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ आदि इन विज्ञापनों के प्रमुख माध्यम हैं। इसके अतिरिक्त दीवारों पर ऊँचे विशाल पटों पर, सार्वजनिक वाहनों पर और यहाँ तक कि पेड़-पौधों पर भी विज्ञापन चिपकाए हुए दिखाई देते हैं। आज के वैज्ञानिक और औद्योगिक युग में विज्ञापन को आवश्यक माना जाने लगा है। इनका दोहरा महत्व व दोहरी उपयोगिता मानी जाती है। वे उपभोक्ता और उत्पादकों दोनों को लाभान्वित करते हैं। विज्ञापन के माध्यम से, निर्माता अपने विशिष्ट उत्पाद के बारे में बढ़ा-चढ़ा कर जानकारी देकर उपभोक्ताओं को लुभाना चाहते हैं। अतः उत्पादकों तथा उत्पाद के प्रचार-प्रसार के कारण इनके बिक्री में वृद्धि होती है। विज्ञापन की मूल भावना सकारात्मक होता है परन्तु इसका नकारात्मक पहलू अधिक चिंताजनक होता है। विज्ञापन पर खर्च होने वाला अपार धन मूलतः उपभोक्ताओं को ही दामों के वृद्धि के रूप में चुकाना पड़ता है। विज्ञापन से प्रभावित होकर लोग उस उत्पाद को खरीद भी लेते हैं। इस प्रकार विज्ञापनों ने हमारे दैनिक जीवन को प्रभावित कर डाला है।

विज्ञापन से किनको सबसे ज्यादा लाभ होता है?

A)उत्पादक को
B)व्यापारी को
C)विक्रेता और सामान्य जनता को
D)विकल्पों में से सभी

Answer Key : D

Question No. 84

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।

आज का युग वास्तव में विज्ञापन का युग बन चुका है। सुई से लेकर जहाज तक जितने भी प्रमुख उत्पाद हैं, उनके निर्माण के पूर्व ही उनके बारे में विज्ञापन आने लगते हैं। धर्म, समाज, अर्थव्यवस्था, चिकित्सा, योग, व्यायाम, खेल, उत्सव-समारोह, राजनीति आदि सभी क्षेत्रों से संबंधित विज्ञापन प्रतिध्वनित या लाइव रूप से सुने और देखे जाते हैं। दूरदर्शन, समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ आदि इन विज्ञापनों के प्रमुख माध्यम हैं। इसके अतिरिक्त दीवारों पर ऊँचे विशाल पटों पर, सार्वजनिक वाहनों पर और यहाँ तक कि पेड़-पौधों पर भी विज्ञापन चिपकाए हुए दिखाई देते हैं। आज के वैज्ञानिक और औद्योगिक युग में विज्ञापन को आवश्यक माना जाने लगा है। इनका दोहरा महत्व व दोहरी उपयोगिता मानी जाती है। वे उपभोक्ता और उत्पादकों दोनों को लाभान्वित करते हैं। विज्ञापन के माध्यम से, निर्माता अपने विशिष्ट उत्पाद के बारे में बढ़ा-चढ़ा कर जानकारी देकर उपभोक्ताओं को लुभाना चाहते हैं। अतः उत्पादकों तथा उत्पाद के प्रचार-प्रसार के कारण इनके बिक्री में वृद्धि होती है। विज्ञापन की मूल भावना सकारात्मक होता है परन्तु इसका नकारात्मक पहलू अधिक चिंताजनक होता है। विज्ञापन पर खर्च होने वाला अपार धन मूलतः उपभोक्ताओं को ही दामों के वृद्धि के रूप में चुकाना पड़ता है। विज्ञापन से प्रभावित होकर लोग उस उत्पाद को खरीद भी लेते हैं। इस प्रकार विज्ञापनों ने हमारे दैनिक जीवन को प्रभावित कर डाला है।

विज्ञापन की मूल भावना कैसी है?

Teachingninja.in

A)सकारात्मक
B)नकारात्मक
C)जनप्रेरित
D)उद्योग प्रेरित

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।
आज का युग वास्तव में विज्ञापन का युग बन चुका है। सुई से लेकर जहाज तक जितने भी प्रमुख उत्पाद हैं, उनके निर्माण के पूर्व ही उनके बारे में विज्ञापन आने लगते हैं। धर्म, समाज, अर्थव्यवस्था, चिकित्सा, योग, व्यायाम, खेल, उत्सव-समारोह, राजनीति आदि सभी क्षेत्रों से संबंधित विज्ञापन प्रतिध्वनित या लाइव रूप से सुने और देखे जाते हैं। दूरदर्शन, समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ आदि इन विज्ञापनों के प्रमुख माध्यम हैं। इसके अतिरिक्त दीवारों पर ऊँचे विशाल पटों पर, सार्वजनिक वाहनों पर और यहाँ तक कि पेड़-पौधों पर भी विज्ञापन चिपकाए हुए दिखाई देते हैं। आज के वैज्ञानिक और औद्योगिक युग में विज्ञापन को आवश्यक माना जाने लगा है। इनका दोहरा महत्व व दोहरी उपयोगिता मानी जाती है। वे उपभोक्ता और उत्पादकों दोनों को लाभान्वित करते हैं। विज्ञापन के माध्यम से, निर्माता अपने विशिष्ट उत्पाद के बारे में बढ़ा-चढ़ा कर जानकारी देकर उपभोक्ताओं को लुभाना चाहते हैं। अतः उत्पादकों तथा उत्पाद के प्रचार-प्रसार के कारण इनके बिक्री में वृद्धि होती है। विज्ञापन की मूल भावना सकारात्मक होता है परन्तु इसका नकारात्मक पहलू अधिक चिंताजनक होता है। विज्ञापन पर खर्च होने वाला अपार धन मूलतः उपभोक्ताओं को ही दामों के वृद्धि के रूप में चुकाना पड़ता है। विज्ञापन से प्रभावित होकर लोग उस उत्पाद को खरीद भी लेते हैं। इस प्रकार विज्ञापनों ने हमारे दैनिक जीवन को प्रभावित कर डाला है।
विज्ञापन की मूल भावना कैसी है?
A)सकारात्मक
B)नकारात्मक
C)जनप्रेरित
D)उद्योग प्रेरित
Answer Key : A

Question No. 85

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।
आज का युग वास्तव में विज्ञापन का युग बन चुका है। सुई से लेकर जहाज तक जितने भी प्रमुख उत्पाद हैं, उनके निर्माण के पूर्व ही उनके बारे में विज्ञापन आने लगते हैं। धर्म, समाज, अर्थव्यवस्था, चिकित्सा, योग, व्यायाम, खेल, उत्सव-समारोह, राजनीति आदि सभी क्षेत्रों से संबंधित विज्ञापन प्रतिध्वनित या लाइव रूप से सुने और देखे जाते हैं। दूरदर्शन, समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ आदि इन विज्ञापनों के प्रमुख माध्यम हैं। इसके अतिरिक्त दीवारों पर ऊँचे विशाल पटों पर, सार्वजनिक वाहनों पर और यहाँ तक कि पेड़-पौधों पर भी विज्ञापन चिपकाए हुए दिखाई देते हैं। आज के वैज्ञानिक और औद्योगिक युग में विज्ञापन को आवश्यक माना जाने लगा है। इनका दोहरा महत्व व दोहरी उपयोगिता मानी जाती है। वे उपभोक्ता और उत्पादकों दोनों को लाभान्वित करते हैं। विज्ञापन के माध्यम से, निर्माता अपने विशिष्ट उत्पाद के बारे में बढ़ा-चढ़ा कर जानकारी देकर उपभोक्ताओं को लुभाना चाहते हैं। अतः उत्पादकों तथा उत्पाद के प्रचार-प्रसार के कारण इनके बिक्री में वृद्धि होती है। विज्ञापन की मूल भावना सकारात्मक होता है परन्तु इसका नकारात्मक पहलू अधिक चिंताजनक होता है। विज्ञापन पर खर्च होने वाला अपार धन मूलतः उपभोक्ताओं को ही दामों के वृद्धि के रूप में चुकाना पड़ता है। विज्ञापन से प्रभावित होकर लोग उस उत्पाद को खरीद भी लेते हैं। इस प्रकार विज्ञापनों ने हमारे दैनिक जीवन को प्रभावित कर डाला है।
विज्ञापनों में चीज़ों की जानकारी कैसे दी जाती है?
A)चीज़ों की गुणवत्ता को बढ़ा-चढ़ाकर
B)चीज़ों का असली रूप दिखाकर
C)उपयोगिता का परिचय न देकर
D)चीज़ों के लाभ न बताकर

Teachingninja.in

निम्न अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर विकल्पों में से चुनकर दीजिए।

आज का युग वास्तव में विज्ञापन का युग बन चुका है। सुई से लेकर जहाज तक जितने भी प्रमुख उत्पाद हैं, उनके निर्माण के पूर्व ही उनके बारे में विज्ञापन आने लगते हैं। धर्म, समाज, अर्थव्यवस्था, चिकित्सा, योग, व्यायाम, खेल, उत्सव-समारोह, राजनीति आदि सभी क्षेत्रों से संबंधित विज्ञापन प्रतिध्वनित या लाइव रूप से सुने और देखे जाते हैं। दूरदर्शन, समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ आदि इन विज्ञापनों के प्रमुख माध्यम हैं। इसके अतिरिक्त दीवारों पर ऊँचे विशाल पटों पर, सार्वजनिक वाहनों पर और यहाँ तक कि पेड़-पौधों पर भी विज्ञापन चिपकाए हुए दिखाई देते हैं। आज के वैज्ञानिक और औद्योगिक युग में विज्ञापन को आवश्यक माना जाने लगा है। इनका दोहरा महत्व व दोहरी उपयोगिता मानी जाती है। वे उपभोक्ता और उत्पादकों दोनों को लाभान्वित करते हैं। विज्ञापन के माध्यम से, निर्माता अपने विशिष्ट उत्पाद के बारे में बढ़ा-चढ़ा कर जानकारी देकर उपभोक्ताओं को लुभाना चाहते हैं। अतः उत्पादकों तथा उत्पाद के प्रचार-प्रसार के कारण इनके बिक्री में वृद्धि होती है। विज्ञापन की मूल भावना सकारात्मक होता है परन्तु इसका नकारात्मक पहलू अधिक चिंताजनक होता है। विज्ञापन पर खर्च होने वाला अपार धन मूलतः उपभोक्ताओं को ही दामों के वृद्धि के रूप में चुकाना पड़ता है। विज्ञापन से प्रभावित होकर लोग उस उत्पाद को खरीद भी लेते हैं। इस प्रकार विज्ञापनों ने हमारे दैनिक जीवन को प्रभावित कर डाला है।

विज्ञापनों में चीज़ों की जानकारी कैसे दी जाती है?

A)चीज़ों की गुणवत्ता को बढ़ा-चढ़ाकर
B)चीज़ों का असली रूप दिखाकर
C)उपयोगिता का परिचय न देकर
D)चीज़ों के लाभ न बताकर

Answer Key : A

Question No. 86

वचन बदलिए:-

ऋतु

A)रितुएँ
B)शितुएँ
C)ऋतुएँ
D)सितुएँ

वचन बदलिए:-

ऋतु

A)रितुएँ
B)शितुएँ
C)ऋतुएँ
D)सितुएँ

Answer Key : C

Question No. 87

The Jharkhand government state budget was presented on 3rd March 2023 by-

A)Rameshwar Oraon
B)Badal Patralekh
C)Jagarnath Mahto
D)Mithilesh Kumar Thakur

---

3 मार्च 2023 को झारखण्ड सरकार राज्य का बजट किसके द्वारा प्रस्तुत किया गया था?

A)रामेश्वर उरांव
B)बादल पत्रलेख
C)जगरनाथ महतो
D)मिथिलेश कुमार ठाकुर

Answer Key : A

Question No. 88

Which city of India is preparing to host Squash World Cup 2023?

A)Kolkata
B)Chennai
C)Mumbai
D)Bengaluru

भारत का कौन-सा शहर स्क्वैश विश्व कप 2023 की मेजबानी की तैयारी कर रहा है?

A)कोलकाता
B)चेन्नई
C)मुंबई
D)बेंगलुरु

Answer Key : B

Teachingninja.in

Question No. 89

Which header file is used to clear the screen with the help of clrscr() in C programming?

A)math.h
B)time.h
C)stdio.h
D)conio.h

C प्रोग्रामिंग में, clrscr() की सहायता से स्क्रीन को क्लियर करने के लिए किस हेडर फाइल का उपयोग किया जाता है?

A)math.h
B)time.h
C)stdio.h
D)conio.h

Answer Key : D

Question No. 90

निम्नलिखित सामासिक पद का समास पहचानिए।

त्रिशूल

A)कर्मधारय समास
B)द्वंद समास
C)तत्पुरुष समास
D)द्विगु समास

निम्नलिखित सामासिक पद का समास पहचानिए।

त्रिशूल

A)कर्मधारय समास
B)द्वंद समास
C)तत्पुरुष समास
D)द्विगु समास

Answer Key : D

Question No. 91

निम्नलिखित सामासिक पद का विग्रह कीजिए।

सतसई

A)साठ सौ (दोहों) का समाहार
B)साठ का समाहार
C)दोहों का समाहार
D)सात सौ (दोहों) का समाहार

निम्नलिखित सामासिक पद का विग्रह कीजिए।

सतसई

A)साठ सौ (दोहों) का समाहार
B)साठ का समाहार
C)दोहों का समाहार
D)सात सौ (दोहों) का समाहार

Answer Key : D

Question No. 92

The section of River Sanjai in Jharkhand where stone-age tools have been found belongs to the district-

A)Meerut
B)Singhbhum
C)Ranchi
D)Giridh

झारखण्ड में संजय नदी का वह भाग जहाँ पाषाणकालीन उपकरण पाए गए हैं, किस जिले से संबंधित है?

A)मेरठ
B)सिंहभूम
C)राँची
D)गिरिडीह

Answer Key : B

Question No. 93

_____, situated on the bank of River Roro, has been the district headquarters of Singhbhum district since British era.

A)Chaibasa
B)Giridh

Teachingninja.in

C)Medininagar D)Aligarh

रोरो नदी के तट पर स्थित _____, ब्रिटिश काल से सिंहभूम जिले का जिला मुख्यालय रहा है।

A)चाईबासा B)गिरिडीह

C)मेदिनीनगर D)अलीगढ़

Answer Key : A

Question No. 94

The _____ portion of Jharkhand is one of the constituents of the Singhbhum district.

A)Western B)Northwest

C)Northeast D)Southeastern

झारखण्ड का _____ हिस्सा सिंहभूम जिले के संघटकों (constituents) में से एक है।

A)पश्चिमी B)उत्तरपश्चिम

C)उत्तरपूर्व D)दक्षिणपूर्वी

Answer Key : D

Question No. 95

As of June 2023, Jharkhand comprises how many districts?

A)12 B)8

C)6 D)24

जून 2023 तक, झारखण्ड में कितने जिले शामिल हैं?

A)12 B)8

C)6 D)24

Answer Key : D

Question No. 96

Which state of India borders the Jharkhand state on the south?

A)Bihar B)Odisha

C)Uttar Pradesh D)Madhya Pradesh

भारत के किस राज्य की सीमा दक्षिण में झारखण्ड राज्य को बार्डर करती है?

A)बिहार B)ओडिशा

C)उत्तर प्रदेश D)मध्य प्रदेश

Answer Key : B

Question No. 97

What is the percent contribution of scheduled tribe population in Jharkhand as of 2011 census?

A)2.62% B)26.21%

C)262.00% D)0.26%

2011 की जनगणना के अनुसार झारखण्ड में अनुसूचित जनजाति जनसंख्या का प्रतिशत योगदान कितना है?

A)2.62% B)26.21%

C)262.00% D)0.26%

Answer Key : B

Question No. 98

The Sarwal Industrial Area is located in which district of Jharkhand?

Teachingninja.in

A)Purbi Singhbum
B)Jamtara
C)Ranchi
D)Sahinganj

सरवल (Sarwal) औद्योगिक क्षेत्र झारखण्ड के किस जिले में स्थित है?

A)पूर्वी सिंहभूम
B)जामताड़ा
C)राँची
D)साहिबगंज

Answer Key : C

Question No. 99

Jharkhand's first Vande Bharat Express operates between-

A)Garhwa and New Delhi
B)Ranchi and Patna
C)Simdega and Chaibasa
D)Chaibasa and Jamshedpur

झारखण्ड के पहले वंदे भारत एक्सप्रेस का संचालन किन स्थानों के मध्य होता है?

A)गढ़वा एवं नई दिल्ली
B)राँची एवं पटना
C)सिमडेगा एवं चाईबासा
D)चाईबासा एवं जमशेदपुर

Answer Key : B

Question No. 100

J. C. Hivetly first wrote a book called 'Mundari Primer' which was published in 1873 AD from _____.

A)Chennai
B)Kolkata
C)Mumbai
D)Pune

J. C. हिवेटली ने सबसे पहले 'मुंडारी प्राइमर' नामक पुस्तक लिखी, जो 1873 AD में _____ से प्रकाशित हुई।

A)चेन्नई
B)कोलकाता
C)मुंबई
D)पुणे

Answer Key : B

Teachingninja.in